

कोशिश की तो हल्की बहस हो हुई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को ज्यों-ज्यों मंदिर से करीब 50 कदम दूर जाने के लिए कहा। इसके बाद लोकोपनिर्धारित जगह पर इकट्ठा हुए। दोपहर में भोजशाला आंदोलन में जान गंवामें भोजशाला आंदोलन में जान गंवामें वाले कार सेवकों के परिजन व सम्मान किया गया।

खाकी और कुर्सी को खुली चुनौती: युवाओं को कीड़ा समझने की भूल सरकार को पड़ेगी भारी, लोक गायिका नेहा सिंह राठौर का सबसे घातक पलटवार



महानगर. देश की राजनीति और ज्वलंत मुद्दों पर अपनी बेबाक आवाज बुलंद करने वाली प्रसिद्ध भोजपुरी लोक गायिका नेहा सिंह राठौर ने इस बार सत्ता के गलियारों में ऐसा सियासी बारूद फोड़ा है, जिससे हड़कंप मच गया है। हाल ही में ‘काँकरोच जनता पार्टी’ को लेकर देश के युवाओं में उपजे आक्रोश के बीच नेहा सिंह राठौर ने एक बेहद आक्रामक वीडियो पोस्ट जारी किया है। उन्होंने सीधे तौर पर केंद्र सरकार की नीतियों और व्यवस्था पर अब तक का सबसे तीखा और घातक व्यंग्य कसा है। नेहा सिंह राठौर ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करते हुए सत्तासीनों को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि दीमकों ने इस देश को खोखला कर दिया है, लेकिन अब वक्त बदल चुका है। अब ये काँकरोच इन दीमकों को खा जाएंगे। काँकरोच पूरी तरह से मैदान में उतर चुके हैं और यही वजह है कि अब दीमकों के भीतर डर का साफ माहौल देखा जा सकता है। उन्होंने आगे गरजते हुए कहा कि देश के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं को कीड़ा समझने की जो भूल सरकार और इस सिस्टम ने की है, वह उसे बहुत भारी पड़ने वाली है।

युवाओं के अपमान पर भड़का गुस्सा

नेहा सिंह राठौर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब नीट पेपर लीक, रिकॉर्डतोड़ बेरोजगारी और महंगाई को लेकर युवाओं का गुस्सा सावकें असमान पर है। हाल ही में सुप्रिम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद अस्तित्व में आई ‘काँकरोच जनता पार्टी’ की तरफ इशारा करते हुए नेहा ने साफ कर दिया कि युवाओं के इस डिजिटल आंदोलन को अब दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि जब युवाओं के हक और उनके भविष्य पर लात मारी जाती है, तब व्यवस्था के खिलाफ ऐसा ही महासंग्राम छिड़ता है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो रहा है और इसे लाखों युवाओं का समर्थन मिल रहा है। नेहा के इस बेहद आक्रामक और तीखे तेवर ने विपक्ष को बैठे-बिठाए सरकार को घेरने का एक नया हथियार दे दिया है, जबकि सत्ता पक्ष इस घातक तंज के बाद पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आ रहा है।

नीट पेपर लीक कांड में देश का सबसे बड़ा धमाका: 5 राज्यों में बिका था पेपर, महाराष्ट्र टॉप पर, अब पापी अभिभावकों की बारी!



नई दिल्ली। देश के लाखों ईमानदार छात्रों के भविष्य के साथ खेले गए नीट परीक्षा के पेपर लीक कांड में हर दिन ऐसे चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं, जो शिक्षा जगत को हिलाकर रख देने वाले हैं। जांच एजेंसी सीबीआई की आक्रामक जांच में यह बड़ा खुलासा हुआ है कि यह पूरा घोटाला किसी एक परीक्षा केंद्र तक सीमित नहीं था, बल्कि नीट का लीक हुआ पेपर देश के अलग-अलग 5 राज्यों में धड़ल्ले से बेचा गया था। लाखों-करोड़ों रुपये का लेन-देन करके पूरे देश की मीरट लिस्ट का कचरा कर दिया गया। सीबीआई के आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पेपर खरीदने और बेचने में महाराष्ट्र पूरे देश में सबसे आगे रहा है। महाराष्ट्र में सबसे मोटी रकम चुकाकर पेपर के सौदे किए गए थे। वहीं, इस काले कारोबार में राजस्थान दूसरे नंबर पर रहा है। शिक्षा के हब माने जाने वाले राज्य ही इस घोटाले के मुख्य केंद्र बनकर उभरे हैं। इसके अलावा अन्य तीन राज्यों में भी पेपर के सेट ब्लैक मार्केट में बेचे जाने के पक्के सबूत सीबीआई के हाथ लगे हैं।

अब अभिभावक जाएंगे जेल की सलाखों के पीछे: सीबीआई एक्शन मोड में

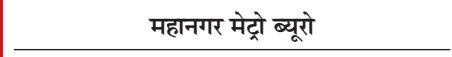
अपने पिता को शॉर्टकट से डॉक्टर बनाने के लिए जिन माता-पिता ने करोड़ों रुपये का काला धन बहाकर पेपर खरीदा था, अब उनका काला इतिहास सामने आने वाला है। सीबीआई फिलहाल ऐसे सभी अभिभावकों की एक ‘ब्लैक लिस्ट’ यानी पक्की सूची तैयार कर रही है, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए यह लीक हुआ पेपर खरीदा था। यह लिस्ट फाइनल होते ही घोटालेबाज अभिभावकों की सामूहिक गिरफ्तारी का दौर शुरू हो जाएगा। यह बड़ा खुलासा सामने आने के बाद देश भर के छात्रों और ईमानदार अभिभावकों में भारी आक्रोश फैल गया है। पैसे के दम पर डॉक्टर बनने का सपना देखने वाले और पूरी व्यवस्था को खरीद लेने वाले इन माफियाओं और माता-पिता के खिलाफ सीबीआई अब क्या सख्त कदम उठाती है, इस पर पूरे देश की नजर टिकी है।

कार्यकर्ताओं की मेहनत पर जताया भरोसा, कहां- एक दिन नंबर वन पार्टी बनकर उभरेंगे



नई दिल्ली: कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाशिनटन ने आगामी राजनीतिक चुनौतियों के बीच पार्टी संगठन और जमीनी स्तर पर काम कर रहे कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें कांग्रेस की विचारधारा और अपने कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत पर पूरा भरोसा है। प्रियंका गांधी के इस बयान ने चुनावी तैयारियों में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में एक नया जोश भर दिया है। पार्टी के एक आंतरिक कार्यक्रम और सोशल मीडिया के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने साफ किया कि बदलाव रातों-रात नहीं आता, लेकिन निरंतर संघर्ष से सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि देश की जनता आज भी कांग्रेस की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। ‘मुझे अपने संगठन की ताकत और देश के कोने-कोने में मौजूद हमारे कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत पर अटूट विश्वास है। देश में आज जो राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियां हैं, उन्हें देखते हुए मुझे पूरा भरोसा है कि एक दिन ऐसा जरूर आएगा, जब कांग्रेस फिर से देश की नंबर वन राजनीतिक शक्ति बनकर उभरेगी राजनीतिक विरलेषकों का मानना है कि प्रियंका गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया है

प्रादेशिक गुजरात सीमा पर पाप का ‘सिस्टमैटिक’ हफ्ता राज खाकी के संरक्षण में 5 बॉर्डर बने ‘ग्रीन कॉरिडोर’ फर्जी सूखत दिखाकर 1696 कि्वंटल धान की अफरा तफरी समिति प्रबंधक और ऑपरेटर की सुनियोजित धोखाधड़ी उजागर



बनासकांठा। गांधी के गुजरात में शराबबंदी और कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाला एक ऐसा भयानक और विस्फोटक खुलासा सामने आया है, जो गांधीनगर (सचिवालय) तक की पूरी व्यवस्था को हिलाकर रख देगा। राजस्थान सीमा से गुजरात में प्रवेश करने वाले जहरीले ड्रग्स और शराब के कंटेनर किसी चोरी-छिपे नहीं, बल्कि उत्तर गुजरात के एक बेहद प्रभावशाली और दिग्गज राजनीतिक नेता के सगे भाई के इशारे पर और उनके परम वफादार ‘वहीवटदार’ (मैनेजर/कलेक्टर) सुरेश चौधरी के काले साम्राज्य के तहत धड़ल्ले से चल रहे हैं। चौधरी समाज के इस बड़े नेता का सीधा वरदहस्त होने के कारण, वहीवटदार सुरेश चौधरी के खिलाफ आंख उठाने की हिम्मत भी किसी अधिकारी की नहीं है।

क्या खुद SP बंगला बन गया है काली कमाई का हेडक्वार्टर?

सूत्रों से मिली पुख्ता और सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, बनासकांठा एसपी प्रशांत सुबे का कथित खास वहीवटदार कहलाने वाला यह सुरेश चौधरी पूरे जिले में बुटलेगरों (शराब तस्करो) और ड्रग माफियाओं से लाखों-करोड़ों रुपये की ‘आधिकारिक’ वसूली का नेटवर्क चला रहा है। सत्ताधारी नेता के भाई के पावर के दम पर सुरेश चौधरी इस कदर बेखौफ हो चुका है कि उसे बिना किसी रुकावट के हफ्ता वसूलने के लिए



खुद एसपी बंगले पर ही पनाह दिए जाने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। आशंका जताई जा रही है कि इस करोड़ों की काली कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा ऊपर तक पहुंचता है। दूसरी ओर, रेंज आईजी साहब के नाम पर अवैध वसूली और तोड़बाजी करने के लिए पूर्व एलसीबी कर्मचारी राजेश परमार और रेंज आईजी सेल के पीएसआई एस. जे. परमार को स्पेशल मैदान में उतारा गया है। ये दोनों जवान पहले बनासकांठा एलसीबी में लंबा समय बिता चुके हैं, इसलिए उन्हें हर रास्ते की जानकारी है। कौन सा

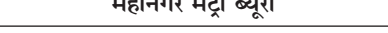
बुटलेगर किस रास्ते से कंटेनर ला रहा है, उसकी एक-एक कुंडली (इनपुट) सुरेश चौधरी की इस पूरी टोली तक पहुंचाई जाती है।

खाकी के प्रोटेक्शन के साथ 5 बॉर्डर बने ‘सुरेश चौधरी का ग्रीन कॉरिडोर’

राजनीतिक रसूख और खाकी के सीधे सपोर्ट से जिले की पांच सबसे संवेदनशील अंतरराज्यीय सीमाओं (इंटर-स्टेट बॉर्डर्स) को बुटलेगरों के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है:

1. गुन्दरी बॉर्डर
2. नेनावा बॉर्डर
3. अमीरगढ़ चेकपोस्ट
4. अंबाजी छापारी बॉर्डर
5. जांबुडी चेकपोस्ट बेखौफी की हद: सुरेश चौधरी खुद तय करता है इतना ही नहीं, इन कंटेनरों को कोई पकड़ न ले, इसलिए ‘सेफ पैसेज’ के तौर पर स्पेशल प्रोटेक्शन के लिए गाड़ी के अंदर एक पुलिस कर्मचारी को बिठाया जाता है, जो सीमा बदलते ही बदल जाता है! स्टेट मॉनिटरिंग सेल भी बनासकांठा जिले में सिर्फ छोटी मछलियों को

स्वयंसेवकों में कौशल विकास और व्यक्ति-निर्माण से राष्ट्र-निर्माण की साधना है संघ शिक्षा वर्ग



भीनमाल । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जोधपुर प्रांत के ‘संघ शिक्षा वर्ग सामान्य (महाविद्यालय विद्यार्थी एवं तरुण व्यवसायी)’ का भव्य शुभारंभ शुक्रवार, 22 मई 2026 के साथ प्रारंभ हुआ। यह वर्ग महाकवि माघ व प्रसिद्ध गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त की नगरी भीनमाल की पावन धरा पर, रानीवाड़ा रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में भूमि पूजन एवं यज्ञ के साथ प्रारंभ हुआ। संतों के सान्निध्य और आशीर्चन के पूर्व, मंच पर भारत माता के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया। प्रातःकालीन उद्घाटन सत्र की शुरुआत दिव्यस्वरूपदास स्वामी (स्वामीनारायण गुरुकुल, भीनमाल) के पावन आशीर्चन के साथ हुई। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित वर्ग के सर्वाधिकारी व सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी रामधन (धोरीमन्ना) ने स्वामी को शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीफल अर्पित कर उनका आदरपूर्वक स्वागत किया।

जीवन को राष्ट्रहित में समर्पित करने का अनूठा प्रशिक्षण

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पूज्य स्वामी दिव्यस्वरूपदास ने स्वयंसेवकों को पावन अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) के महत्व का स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि इस पवित्र कालखंड में स्वयंसेवक राष्ट्र की सेवा के लिए अपने जीवन को समर्पित करने और समाज को अपने हिस्से का श्रेष्ठ समय देने का संकल्प लेकर इस वर्ग में आए हैं। हिंदू समाज को एकात्म करना और



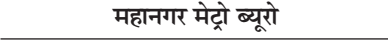
समाज में अपनापन व कुशल व्यवहार जागृत करना आज समय की महती आवश्यकता है, स्वामी जी ने अपने जीवन के संस्मरण साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं अपने यौवन के 5 वर्ष संघ कार्य को समर्पित किए थे। उन्होंने संगठन में अनुशासन और शुचिता की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि जिस प्रकार जीवन की तत्किकता मर्यादाओं से बंधी होती है, उसी प्रकार संघ का अनुशासन ही कार्यकर्ता को गढ़ता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ग से प्रशिक्षण प्राप्त कर निकलने वाले युवाओं में एक विशेष सांगठनिक शक्ति, ऊर्जा और राष्ट्र-समाज को परखने की दिव्य दृष्टि जागृत होगी।

व्यक्ति-निर्माण से राष्ट्र-निर्माण: संघ में प्रशिक्षण का स्वरूप और महत्व

सत्र के मुख्य वक्ता, प्रांत महाविद्यालय विद्यार्थी कार्य प्रमुख हरिकिशन ने वर्ग के उद्देश्य स्पष्ट करते हुए तथा इसके अंतर्निहित स्वरूप और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ की शाखा में आने का मूल भाव ‘भारत माता की जय’ है, यहाँ व्यक्ति गौण और राष्ट्र सर्वोपरि है। यद्यपि प्रारंभिक अवस्था में युवा खेल और मनोरंजन के

भाव से शाखा में कदम रखते हैं, परंतु संघ की पद्धति और क्रमिक विकास के माध्यम से उनके भीतर वैचारिक परिवर्तन आता है, जिससे वे निष्ठावान स्वयंसेवक और राष्ट्र-आराधक कार्यकर्ता के रूप में समाज के समुच्च खड़े होते हैं। आवश्यक और वांछित गुणों को अपने जीवन में उतारना ही व्यक्ति-निर्माण का आधार है। श्री हरिकिशन जी ने स्पष्ट किया कि संघ के इस प्रशिक्षण वर्ग का स्वरूप अत्यंत अनुठा है। यहाँ शिक्षार्थियों के साथ-साथ उन्हें सिखाने वाले शिक्षक और व्यवस्था संचालने वाले प्रबंधक भी समानांतर रूप से औपचारिक एवं अनौपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। यह प्रक्रिया सभी के मनोबल को सुदृढ़ करती है और कार्यक्षमता को बढ़ाती है। संघ के प्रत्येक छोटे-बड़े कार्यक्रम का एक निश्चित उद्देश्य और दूरगामी लक्ष्य होता है। वर्तमान भौतिकवादी और डिजिटल युग की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि आज समाज में रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का ह्रास हो रहा है। युवा वर्ग छोटे-छोटे कार्यों और सामान्य ज्ञान के लिए भी पूरी तरह इंटरनेट व ‘तथश्रद्घद्ग’ पर आश्रित होता जा रहा है, जिससे उनकी मौलिक सोच प्रभावित हो रही है। ऐसे समय में संघ का यह वर्ग युवाओं के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनका ‘सर्वांगीण विकास’ सुनिश्चित करता है। इस 15 दिवसीय आवासीय संघ शिक्षा वर्ग में संपूर्ण जोधपुर प्रांत के सभी 7 विभागों और 21 जिलों के 270 शिक्षार्थी, 35 शिक्षक तथा 47 प्रबंधक सहभागी हो रहे हैं। उद्घाटन सत्र में मंच पर संत सान्निध्य के साथ मुख्य वक्ता हरिकिशन एवं वर्ग के सर्वाधिकारी रामधन उपस्थित रहे।

फर्जी सूखत दिखाकर 1696 कि्वंटल धान की अफरा तफरी बागरेकसा धान उपार्जन केन्द्र में 52.57 लाख रुपए के धान गबन का भंडाफोड



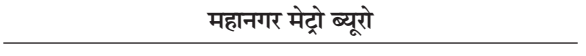
राजनांदगांव. कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन में आज शासकीय धान खरीदी में एक बड़े फर्जीवाड़े और वित्तीय अनियमितता का सनसनीखेज मामला सामने आया है। डोंगरगढ़ विकासखंड के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बागरेकसा (धान उपार्जन केन्द्र बागरेकसा) में प्रशासनिक अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा औचक निरीक्षण और सघन जांच की कार्रवाई की गई। जिसमें 52 लाख 57 हजार 786 रुपए मूल्य के कुल 1696.06 कि्वंटल धान का गबन पाया गया है। समिति के कर्मचारियों द्वारा सुनियोजित तरीके से रिकॉर्ड में हेरफेर कर इस पूरे घोटाले को अंजाम दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार संयुक्त जांच दल द्वारा उपार्जन केंद्र बागरेकसा का विस्तृत भौतिक सत्यापन एवं रिकॉर्ड मिलान किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर केंद्र प्रभारी नीलकंठ साहू, डाटा एंट्री ऑपरेटर ओम कुमार यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। जांच दल द्वारा जब ऑनलाइन रिपोर्ट एवं वास्तविक रिकॉर्ड का मिलान किया गया, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में



केंद्र द्वारा कुल 164169 बोरियों में कुल 65627.60 कि्वंटल धान का उपार्जन किया गया था। इसमें से 29501.46 कि्वंटल धान राइस मिलस को तथा 34430.08 कि्वंटल धान संश्लेषण केंद्रों को परिदान किया गया। इस प्रकार कुल 63931.54 कि्वंटल धान का प्रदाय किया गया। ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार केंद्र में 1696.06 कि्वंटल धान शेष होना अनिवार्य था, परंतु भौतिक सत्यापन में उपार्जन केंद्र परिसर के भीतर न तो धान से भरी बोरियों में और न ही खुले में एक किलोग्राम भी धान पाया गया। समिति प्रबंधक नीलकंठ साहू एवं ऑपरेटर द्वारा भौतिक रूप से उपलब्ध नहीं पाये गये धान को सूखत होना बताया

गया। उन्होंने स्वीकार किया कि मिलस को धान देते समय रैंडम वजन नहीं किया गया। जबकि जांच में पाया गया कि सुनियोजित तरीके से, धर्मकांटा में प्राप्त वास्तविक वजन की एंट्री न करते हुए काल्पनिक एवं फर्जी आंकड़ों की ऑनलाइन प्रविष्टि कर 1696.06 कि्वंटल धान को सूखत दिखाए जाने का प्रयास किया गया है। जांच दल द्वारा जब धर्मकांटा से प्राप्त वास्तविक वजन पत्रकों की तुलना समिति के कम्प्यूटर मॉड्यूल में की गई प्रविष्टियों से की गई, तो एक बड़े और सुनियोजित डिजिटल घोटाले की पुष्टि हुई। समिति प्रबंधक एवं ऑपरेटर द्वारा वास्तविक वजन की प्रविष्टि न करके, प्रत्येक वाहन में काल्पनिक रूप से प्रति बोरा 2 किलोग्राम की कमी दर्ज की गई थी। धोखाधड़ी का पैटर्न पाया गया। 875 बोरों वाले वाहनों में वास्तविक वजन को छुपाकर काल्पनिक रूप से 17.50 कि्वंटल धान की कमी दर्ज की गई। 800 बोरो वाले वाहनों में सीधे 16.00 कि्वंटल धान की फर्जी कमी दिखाई गई। 700 बोरो वाले वाहनों में 14.00 कि्वंटल तथा 600 बोरो वाले वाहनों में 12.00 कि्वंटल धान की मनगढ़ंत कमी दर्ज की गई।

एनसीपी चीफ शरद पवार ने की पीएम मोदी की तारीफ, कहां- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को बनाया मजबूत



नई दिल्ली। देश की राजनीति में उस वक़्त एक नया मोड़ आ गया जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख और वरिष्ठ राजनेता शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर तारीफ की। राजनीतिक रूप से हमेशा एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाने वाले इन दोनों नेताओं के बीच इस अप्रत्याशित बयान ने देश के सियासी गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है। शरद पवार का यह बयान अब सोशल मीडिया से लेकर हर राजनीतिक मंच पर चर्चा का विषय बन गया है। शरद पवार ने एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और उनकी वैश्विक नीतियों की सराहना की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भले ही उनकी वैचारिक और राजनीतिक सोच प्रधानमंत्री मोदी से पूरी तरह अलग हो, लेकिन इस हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान बढ़ाया है।

वैश्विक पटल पर भारत की साख मजबूत: शरद पवार

‘राजनीतिक मतभेदों को अगर एक तरफ रख दिया जाए, तो यह स्वीकार करना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा और साख को मजबूत करने के लिए लगातार और कड़ा परिश्रम कर रहे हैं। वैश्विक मंचों पर आज भारत की जो स्थिति है, उसमें उनके प्रयासों को नकारा नहीं जा सकता। राजनीतिक विरलेषकों का मानना है कि शरद पवार जैसे कद्दावर विपक्षी नेता द्वारा प्रधानमंत्री की इस तरह सराहना किए जाने के कई गहरे सियासी मायने हो सकते हैं। विपक्ष जहां इस बयान के बाद थोड़ा असहज नजर आ रहा है, वहीं सत्ता पक्ष ने शरद पवार के इस बड़प्पन और सच्चाई को स्वीकार करने वाले रवैये का स्वागत किया है। आने वाले दिनों में इस बयान का आगामी चुनावों और विपक्षी एकजुटता पर क्या असर पड़ेगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

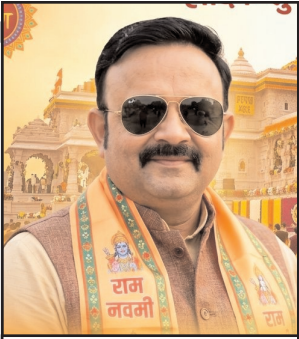
थाना सिटी कोतवाली पुलिस राजनांदगांव की अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्यवाही।

एक आरोपी के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्याीक रिमांड पर भेजा गया जेल।



राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री में संलिप्त लोगों के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी रहेगी। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह, सर्जिनो संजीव मालेकर, आरक्षक लिलेन्द्र पटेल, श्रीनिवास राव, प्रयंश सिंह, नामदेव नागवंशी एवं थाना स्टॉफ की सराहनीय भूमिका रही।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और सवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है। सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। ह्रस्वत्व वद, धर्म चरह्द, ह्रवसुधैव कुटुम्बकम्ह्द, ह्रसर्वे भवन्तु सुखिनःह्द जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समाजना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक प्रभुभिि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है। यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में



भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चुक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना

चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल हिंदू विरोधह्द बनाम ह्यराजनीतिक विरोधह्द के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रुवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद

रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को ह्यधर्म बनाम धर्मह्द की लड़ाई से ऊपर उठकर ह्यजन बनाम जनसमस्याह्द के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास ह्रवसुधैव कुटुम्बकम्ह्द का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व। राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति राष्ट्रकृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।

संपादकीय

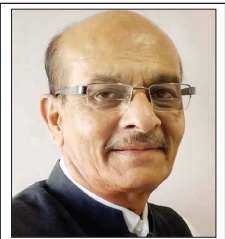
लू से हलकान जिंदगी

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन-जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं है, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है। स्कूल-कॉलेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विर्दबाना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो ह्यरोज कुंआ खोदकर पानी पीनेह्द को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनीपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिक की रीढ़ हैं। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बावत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन-चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुर्ननिर्धारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है, लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं। देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। वक्त की मांग है कि भीषण गर्मी वाले महीनों के लिये तत्काल व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया जाए।

चिंतन-मनन

संकल्प और साहस

खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली अपंग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के प्रति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक रेकॉर्ड्स के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े। शिक्षक ने भी व्यंग्य किया- तुम खेलों के बारे में जानकर क्या करोगी। अपने ऊपर कभी नजर डाली है? तुम तो ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती, फिर ओलिंपिक से तुम्हें क्या मतलब है? तुम्हें कौन सा खेलाना है जो यह सब जानोगी। चुपचाप बैठकर सुनो। रुआंसी लड़की कुछ कह न सकी। सारी क्लास उस पर हंसती रही। अगले दिन जब खेल पीरियड में उसे बाकी बच्चों से अलग बिठाया गया तो उसने कुछ सोचकर बैसाखियां संभालीं और हृद निश्चय के साथ बोली-सर याद रखिएगा। अगर लगन सच्ची हो और इरादे बुलंद हों तो सब कुछ संभव है। आप देखना एक दिन यही लड़की हवा से बातें करके दिखाएगी। उसकी इस बात से भी ठहाका गूंज उठा। सबने इसे मजाक के रूप में लिया। लेकिन वह लड़की तेज चलने के अभ्यास में जुट गई। वह अखंड और पौष्टिक खुराक लेने लगी, फिर वह कुछ दिनों में दौड़ने भी लगी। कुछ दिनों के बाद उसने छोटी-मोटी दौड़ में भाग लेना भी शुरू कर दिया। उसे दौड़ते देख लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। फिर कई लोग उसकी मदद को आगे आए। सबने उसका उसाह बढ़ाया। उसके हौसले बुलंद होने लगे। फिर उसने 1960 के ओलिंपिक में हिस्सा लिया और तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबको हतप्रभ कर दिया। ओलिंपिक में इतिहास रचने वाली वह थी अमेरिकी धाविका विल्मा रुडोल्फ।



सनत जैन

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 1975 केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि सत्ता, आर्थिक संकट और जनक्रोश के टकराव का प्रतीक भी है। 2026 में देश की परिस्थितियों को देखकर बार-बार 1975 की महंगाई का वही प्रश्न उठता है, क्या भारत फिर किसी बड़े राजनीतिक और सामाजिक विस्फोट की ओर बढ़ रहा है? जिसमें सत्ता का परिवर्तन भी हुआ था। 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर बांग्लादेश का निर्माण कराया था। करीब एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ भारत ने उठाया। पाकिस्तानी सेना के 95000 से अधिक जवान आत्मसमर्पण कर भारत में रहे। युद्ध के

बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंध ने तेल संकट और आर्थिक प्रतिबंधों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। पेट्रोल, डीजल और खाद्यान्न की कमी ने महंगाई को विस्फोटक बना दिया। इंदिरा गांधी 1971 का युद्ध जीतकर ह्यदुर्गाह्द कहलायीं, लेकिन 1974 आते-आते जनता की नजर में वही इंदिरा गांधी की सरकार महंगाई और बेरोजगारी की प्रतीक बन गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किया गया, इसने आंदोलन की आग में घी डालने और आंदोलन को उग्र किया। छात्र, कर्मचारी, ट्रेड यूनियन और विपक्ष एक मंच पर आ गए। जयप्रकाश नारायण ने व्यवस्था परिवर्तन का नारा दिया। रेलवे हड़ताल से लेकर विश्वविद्यालयों के छात्र आंदोलनों तक से देश उबाल पर था। जेपी ने पुलिस और सेना को सरकार के आदेश नहीं मानने का आह्वान किया। जब सरकार को लगा कि आंदोलन नियंत्रित करना संभव नहीं है, सत्ता हाथ से निकल सकती है, तब 25 जून 1975 को सरकार ने आपातकाल लागू कर दिया। लोकतंत्र को कुचलने की वह कीमत अंततः कांग्रेस को 1977 के चुनाव में चुकानी पड़ी। उत्तर भारत में कांग्रेस की करारी पराजय हुई। आज का भारत भले तकनीकी रूप से आधुनिक हो। आर्थिक और सामाजिक बेचैनी

1975 जैसी खतरनाक स्तर तक बढ़ती हुई दिख रही है। रुपया लगातार गिर रहा है। 97 के स्तर पर पहुंच गया है। महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है, आयात बढ़ गया है। विदेशी मुद्रा का संकट है। युवाओं में बेरोजगारी को लेकर गुस्सा बढ़ रहा है। करोड़ों डिग्रीधारी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लोक, भर्ती घोटालों और अस्थायी रोजगार से त्रस्त हैं। जिन युवाओं को अच्छे दिन, करोड़ों युवाओं को हर साल नौकरी देने और ह्यविश्वगुरु भारतह्द का सपना दिखाया गया था। वही युवा वर्ग आज नौकरी और भविष्य की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है, जनता का भरोसा वर्तमान सरकार से तेजी से कमजोर पड़ता दिख रहा है। किसान आंदोलनों, अग्निवोर् योजना के विरोध, पेपर लोक, आरक्षण विवाद और मतदाता सूची से नाम कोट जाने भ्रष्टाचार जैसे आरोपों ने लोकतांत्रिक संस्थानों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। न्यायपालिका को लेकर असंतोष और अविश्वास बढ़ा है। हाल में बेरोजगार युवाओं को लेकर मुख्य न्यायाधीश की कथित टिप्पणी ने युवाओं के आक्रोश को और हवा दी है। जब जनता को यह महसूस होने लगे, सत्ता, प्रशासन और न्याय तीनों उसकी पीड़ा को नहीं सुन रहे हैं, तब व्यवस्था के प्रति अविश्वास खतरनाक मोड़

पर पहुंच जाता है। महंगाई, बेरोजगारी और कर्ज के कारण आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में युवाओं का उग्र असंतोष सत्ता परिवर्तन का कारण बना है। भारत में भी सोशल मीडिया के दौर में नाराजगी अधिक तेजी से फैल रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भारत का आकार और सोच कहीं अधिक बड़ी है। यदि आर्थिक संकट, बेरोजगारी, कर्ज और राजनीतिक, धार्मिक ध्रुवीकरण इसी तरह बढ़ते रहे, तो सामाजिक परिवर्तन की दशा में 1975 से ज्यादा गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता। जब जनता की थाली महंगी हो, जब खाली हो और भविष्य अंधकारमय लगे, तब सबसे शक्तिशाली सरकार का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। 1975 में सत्ता ने असहमति को दबाने का रास्ता चुना था। 2026 के भारत में सत्ता के सामने यही चुनौती है। वर्तमान सरकार लोकतंत्र में पूंजीवादी व्यवस्था के स्थान पर समाजवादी व्यवस्था जिसमें समाज के सभी कमजोर वर्ग को राहत मिले। यह रास्ता चुनेगी या एक बार फिर इतिहास खुद को दोहराने की कोशिश करेगा।

‘राख’ में फिर कभी ‘आग’ नहीं लगती

संघर्षों की आग से बनी राख में फिर कभी आग नहीं लगती, अग्नि से जन्मी परम शांति

होती है, उसे वह बवंडर छूकर भी कुछ बिगाड़ नहीं पाता। वह चट्टान इतनी मजबूत हो चुकी है कि अब वह तूफान के सामने मुस्कराती है। जो मन अंदर से ‘राख’ जैसा स्थिर बन चुका है, उसकी चेतना उस तपे हुए खड्ग (चट्टान) जैसी है, जिसे बाहर की कोई आँधी हिला नहीं सकती।

नदी के बहाव में बहकर आने वाले लकड़ी के टुकड़े एक-दूसरे से टकराकर बहुत आवाज करते हैं और धिसते रहते हैं। लेकिन समुद्र के किनारे जो पत्थर सदियों से खड़े हैं, उनसे रोज लाखों लहरें टकराती हैं। वे पत्थर कोई प्रतिकार नहीं करते, कोई पलटकर गुस्सा नहीं करते, वे लहरों के थपेड़े खा-खाकर इतने स्थिर और मजबूत हो गए हैं कि लहरें खुद अपनी बड़ी फन उठाकर आती हैं और पत्थर को छूकर शांत पानी बन जाती हैं। शांति ऐसी होनी चाहिए कि सामने वाले का गुस्सा सामने आकर पूरी तरह पिघल जाए।

बर्बादी नहीं, यह तो निर्माण है! जब अकेले कोने में बैठकर आँसू बहाए हों... वे दिन याद आ जाते हैं जब क्षमता पर सवाल उठाए गए थे, जब अपने ही लोगों ने पीठ पीछे खंजर घोंपा था और ऐसा लगता था कि अब जीवन में सब कुछ जलकर खाक हो गया है। लोग सोचते हैं कि इस परिस्थिति से अब यह कभी उठ नहीं पाएगा।



लेकिन नहीं, वह बर्बादी नहीं होती, वह तो निर्माण होता है! मनुष्य जब परिस्थितियों की भट्टी में जल रहा होता है, तब उसे लगता है कि वह नष्ट हो रहा है। लेकिन हकीकत में, उसके भीतर का डर, कमजोरियाँ, लोगों की बातों से जल्दी दुखी हो जाने की आदत और अहंकार यह सब उस भट्टी में जलकर खाक हो रहा होता है। अग्निपरीक्षाओं से पार पाकर जो बाहर आता है, वह शुद्ध ‘राख’ है। अब उसके सामने कोई कितनी भी नकारात्मकता लाए, कोई कितनी भी ईर्ष्या करे, या कोई अपमान करने की कोशिश करे; कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि जो दिन झेल लिए हैं, उससे कठिन दूसरा कुछ हो ही नहीं सकता। मन अंदर से इतना समृद्ध और शांत हो



जाता है कि लोग क्रोध की आग सुलगाने की कोशिश करते हैं, लेकिन असफल रहते हैं। क्योंकि राख बन चुके अस्तित्व को जलाने की ताकत किसी माँचिस में नहीं होती। जिस हृदय ने अपने हिस्से के आँसू पीकर पूरी तरह शांति धारण कर ली हो, उसे डराने की ताकत अब दुनिया के किसी अंगारे में नहीं होती। अहंकार और गुस्सा जलते हैं, परम शांति कभी नहीं जलती।

जीवन में इतने स्थिर बनो कि लोग तुम्हें जलाने आएँ, तो खुद ही शांत हो जाएँ।

– दर्शना पटेल
नेशनल मेडलिस्ट एथलीट और स्पोर्ट्स टीचर (नेशनल अवॉर्ड विनर)

‘बिजली संकट जल्द दूर किया जाए’: BSP प्रमुख मायावती ने यूपी सरकार से की अपील



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली की कमी का संकट बढ़ता जा रहा है। बिजली की कमी के चलते कई-कई घंटे की बिजली कटौती की जा रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने योगी आदित्यनाथ सरकार से बिजली की समस्या दूर करने के लिए उपाय करने की अपील की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिजली संकट को लेकर यूपी सरकार को निशाना बनाया है।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती कष्टकारी

बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है, उत्तर प्रदेश जैसे लिखा आबादी वाले राज्य में भीषण गर्मी के इस मौसम में बिजली की कम आपूर्ति व कटौती आदि की आम शिकायतों व उसको लेकर विशेषकर गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारियों व अन्य करोड़ों मेहनतकश लोगों का जीवन अति कष्टदायी बना हुआ है। इसको लेकर लोग विभिन्न रूपों में अपना आक्रोश भी प्रकट कर रहे हैं, जिसकी चर्चा मीडिया में भी काफी व निरन्तर रहती है।

बिजली आपूर्ति में सुधार किया जाए

मायावती ने लिखा है, सरकार से अपील है कि वह बिजली आपूर्ति सम्बंधी लोगों के कष्ट व परेशानियों को ध्यान में रखते हुए जरूरी उपाय तत्काल सुनिश्चित करे। इसके साथ ही नए वायर प्लांट आदि के माध्यम से भी आगे के लिए बिजली आपूर्ति की स्थिति को सुधारने का प्रयास करे तो यह व्यापक जनहित में उचित होगा।

बिजली की ‘मांग’ और ‘दान’ बढ़ रहे

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिजली की कमी के साथ इसकी दरों में वृद्धि को लेकर सरकार पर हथला किया है। अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा है- बिजली के नए प्लांट लगाना तो आपके बस में था नहीं, न ही आपके तंग सोच में। मुंह से ये कह ही देते सुपरक्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट’ तो गर्मी में झुलसते प्रदेश वासियों को सुनकर ही थोड़ी राहत मिल जाती। अखिलेश ने लिखा है, भाजपा के कुराज में उत्तर प्रदेश में बिजली की सिर्फ ‘मांग’ बढ़ रही है या ‘दान’ बढ़ रहे हैं, सरलाई-आपूर्ति नहीं। भाजपा राज, यूपी खस्ताहाल! यूपी में बिजली संकट से लोग परेशान हैं। बिजली कटौती को लेकर विपक्ष के नेता ही नहीं सत्ता पक्ष के नेता भी सवाल उठा रहे हैं। कल सरोजनीनगर के बीजेपी विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि गर्मी के मौसम में बिजली की समस्या पिछले साल भी देखने को मिली थी। पिछले साल और इस साल मिलीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए बिजली संकट हल किया जाना बहुत आवश्यक है।

बिजली कटौती से लोगों में नाराजगी

यूपी में विधानसभा चुनाव को करीब 9-10 महीने का ही समय बचा है। इसके बाद पंचायत चुनाव भी होंगे। यूपी चुनावी साल में बिजली संकट से जुड़े रहें। बुधवार, 20 मई को रात में लखनऊ के कई इलाकों में तीन घंटे बिजली गुल रहा।

‘कुछ लोग बुद्धि तो कुछ शरीर बेचकर कमाते हैं’, वायरल ऑडियो विलप को गिरिबाला सिंह ने बताया मनगढ़ंत,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। दिवशा शर्मा की सास गिरिबाला सिंह ने कोर्ट में याचिका लगाई है। उन्होंने दावा किया है कि सोशल मीडिया पर जिन ऑडियो विलप और व्हाट्सएप चैट की चर्चा हो रही है, वह मनगढ़ंत हैं। साथ ही उन्होंने कोर्ट से मांग की है कि वह यह यह सुनिश्चित करें कि इन ऑडियो विलप और व्हाट्सएप चैट के असली सोर्स क्या हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि सीसीटीवी फुटेज को जब्त करते समय सही प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है।

तया है वायरल ऑडियो विलप में

वहीं, गिरिबाला सिंह ने कोर्ट से डीवीआर की दोबारा जांच की मांग की है। सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो विलप में कथित रूप से गिरिबाला सिंह और दिवशा के भाई हर्षित शर्मा के बीच बातचीत है। इसमें कथित रूप से गिरिबाला सिंह ने दिवशा के रिश्तों और निजी जिंदगी को लेकर सवाल उठाए हैं। उसमें कथित रूप से यह कहा गया है कि कुछ लोग अपनी बुद्धि बेचकर कमाते हैं तो कुछ लोग अपना शरीर बेचकर कमाते हैं। गिरिबाला सिंह ने कोर्ट से मांग की है कि दिवशा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा, मां रेखा शर्मा, भाई हर्षित शर्मा और भाभी राशि शर्मा का मोबाइल फोन जब्त करें और फॉरेंसिक जांच के लिए भेजें। उन्होंने कहा है कि अगर मोबाइल डेटा, चैट लॉग और डिजिटल रिकॉर्ड की पूरी तरह से जांच की जाए तो केस के सच का पता चल सकता है। गिरिबाला सिंह ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह आदेश दे कि इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को सुरक्षित रखा जाए और उनकी जांच की जाए। अभी एसआईटी के सामने नहीं उपस्थित हूँ है गिरिबाला सिंह दिवशा शर्मा के पति समर्थ सिंह चल रहे हैं फरार समर्थ ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए लगाई है याचिका डीवीआर सही से जब्त नहीं की गई वहीं, गिरिबाला सिंह ने कोर्ट में कहा है .



महानगर मेट्रो

**PULSE OF THE NATION**



**National Newspaper | Hindi & English**

**Breaking News | Ground Reports | Exclusive Stories**

**Delivering Truth. Speed. Impact.**

**Stay informed. Stay ahead.**

**FOLLOW US:**



**Group Editor: Pawan Makan**

**+91-9638877700**

भोजशाला में 721 साल बाद शुक्रवार पूजा को लेकर तनाव, प्रशासन अलर्ट, शांति बनाए रखने की अपील

भोज उत्सव समिति ने पूजा और महाआरती का आह्वान किया है. वहीं प्रशासन ने शांति समिति बैठक कर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने और शांति बनाए रखने की अपील की है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार. मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर एक बार फिर माहौल गरमा गया है. भोज उत्सव समिति ने घोषणा की है कि 721 साल बाद शुक्रवार के दिन सामूहिक अखंड पूजा की जाएगी. समिति का कहना है कि यह दिन विशेष महत्व रखता है और इस अवसर पर महाआरती का आयोजन किया जाएगा. समिति के अनुसार, शुक्रवार को दोपहर 12 बजे सकल हिंदू समाज धान मंडी में एकत्रित होगा. इसके बाद जुलूस के रूप में लोग भोजशाला पहुंचेंगे और दोपहर एक बजे महाआरती का आयोजन किया जाएगा. 'भोज उत्सव समिति के संरक्षक अशोक जैन ने कहा कि 721 साल बाद शुक्रवार का दिन आया है और यह हिंदू समाज के लिए स्वाभिमान का विषय है. उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले के बाद अब पूजा अर्चना का अवसर मिला है और समाज इसमें शामिल होगा. स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने शांति समिति की बैठक आयोजित की. बैठक में कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी



सचिन शर्मा मौजूद रहे. प्रशासन ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा.

प्रशासन ने बुलाई शांति समिति की बैठक

एसपी सचिन शर्मा ने कहा कि सभी नागरिकों, धर्मगुरुओं और आगंतुकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है. उन्होंने कहा कि किसी भी नई परंपरा या बिना अनुमति धार्मिक

डिग्री कॉलेज की छात्रा से सीनियर छात्र ने किया दुष्कर्म, वीडियो वायरल करने की धमकी दी, आरोपी पर FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हाथरस। एक डिग्री कॉलेज की नाबालिग छात्रा के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है, जहां डिग्री कॉलेज के एक सीनियर छात्र पर सात महीने तक नाबालिग छात्रा से यौन शोषण का आरोप है। कॉलेज के एक सीनियर छात्र ने छात्रा को पहले अपने प्रेमजाल में फंसाया और उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी अश्लील वीडियो बना ली। अब नाबालिग छात्रा के साथ सीनियर छात्र द्वारा यौन शोषण के मामले की जानकारी होने पर डिग्री कॉलेज प्रशासन और छात्र व छात्राओं में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक, घटना कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली छात्रा से जुड़ी है, जो हाथरस शहर के एक प्रतिष्ठित डिग्री कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई कर रही है। इसी डिग्री कॉलेज में पढ़ने वाले एक सीनियर छात्र से उसकी दोस्ती हो गई। छात्र ने नाबालिग छात्रा को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और उसकी अश्लील वीडियो बना ली, जिसके बाद आरोपी छात्र नाबालिग छात्रा को उसका अश्लील वीडियो



वायरल करने की धमकी देकर करीब सात महीने से यौन शोषण करता रहा है। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

आरोप जानिए

इस मामले में पीड़ित नाबालिग छात्रा के पिता की शिकायत पर कोतवाली हाथरस गेट पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता के पिता का आरोप है कि आरोपी छात्र वीडियो वायरल करने

721 साल बाद धार का पहला ‘शुक्रवार’, भोजशाला में हुई अखंड पूजा, 1 बजे महाआरती

मध्य प्रदेश के धार भोजशाला में कोर्ट फैसले के बाद पहले शुक्रवार को अखंड पूजा और महा आरती होने वाली है. मुस्लिम पक्ष ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार। मध्य प्रदेश धार स्थित विवादित भोजशाला परिसर में शुक्रवार को अखंड पूजा और महा आरती का आयोजन किया जा रहा है. बड़ी तादाद में हिंदू समुदाय के लोग बड़े, बूढ़े और बच्चे भोजशाला कूच कर रहे हैं. परिसर में 1 बजे महाआरती होनी है. बता दें कि यही वक्त नमाज का भी होता है. कोर्ट के फैसले से पहले भोजशाला परिसर में शुक्रवार को 1 बजे जुमे की नमाज अदा की जाती थी, लेकिन यह पहला शुक्रवार है, जब कोर्ट के फैसले के बाद परिसर में नमाज नहीं अदा की जाएगी. परिसर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. सुबह से ही हिंदू पक्ष के लोग परिसर पहुंच रहे हैं. भोजशाला में लगे उम्र बोर्ड को भी पोत दिया गया है, जिस पर पहले लिखा था, ‘शुक्रवार को हिंदुओं का प्रवेश वर्जित’. बता दें कि 721 साल बाद पहली बार शुक्रवार को परिसर में हिंदुओं की एंट्री हुई है. वहीं, गर्भगृह में महा आरती और पूजा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. हिंदू पक्ष आज गर्भगृह में मां सरस्वती की प्रतीकात्मक प्रतिमा के साथ पूजा-अर्चना करेगा. पूरे गर्भगृह को फूलों से सजाया गया है और धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियां जारी हैं. प्रशासन ने परिसर और आसपास के इलाके में



सुरक्षा बल तैनात किए हैं, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो. भोजशाला परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बढ़ रही है. 95 साल के विमल गोधा शुक्रवार को छड़ी के सहारे भोजशाला पहुंचे और पूजा-अर्चना में शामिल हुए. विमल गोधा बचपन से ही भोजशाला आंदोलन और संघर्ष से जुड़े रहे हैं. उन्होंने बताया कि साल 2003 के विधानसभा चुनाव के दौरान जब नरेंद्र मोदी धार आए थे, तब उन्होंने खुद मोदी को भोजशाला का दौरा कराया था. विमल गोधा के मुताबिक, उस दौरान नरेंद्र मोदी ने उनसे कहा था कि जब भी मौका मिलेगा, लंदन से मां वाग्देवी की प्रतिमा वापस लाई जाएगी.

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

‘दबदबे के लिए इस्तेमाल हो रहे हथियार’, सभी 75 जिलों के DM को इलाहाबाद हाईकोर्ट का ये निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। ‘आत्मरक्षा’ के नाम पर खुलेआम बंदूकें रखना, डराने-धमकाने का एकसाधन बन जाता है, जो असल में सुरक्षा के बजाय डर को बढ़ावा देता है। जिस समाज में हथियारबंद लोग अपना दबदबा दिखाते हैं और धमकियों के जरिए अपना प्रभाव जमाते हैं, वह समाज ज्यादा आजाद या शांतिपूर्ण नहीं बनता बल्कि इससे लोगों का भरोसा कम होता है, सुरक्षा की भावना कमजोर होती है और नागरिक शांति भंग होती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को यह बात कही।

हथियार का इस्तेमाल ताकत दिखाने के लिए

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को हथियारों के लाइसेंस देने की अपनी नीति पर फिर से विचार करे। कोर्ट ने टिप्पणी की कि, पहली नजर में



हथियार ऐसे औजार हैं जिनका इस्तेमाल ताकत दिखाने और सुरक्षा का भ्रम पैदा करने के लिए किया जाता है, जो अक्सर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ता है और समाज के लोगों में डर और असुरक्षा पैदा करता है। हाईकोर्ट ने कहा कि आत्मरक्षा का असली मकसद जान बचना और व्यवस्था बनाए रखना है, न कि दबदबे और डर का माहौल बनाना। ऐसी संस्कृति जो बंदूकों के प्रदर्शन और डराने-धमकाने को बढ़ावा देती है, उसे एक शांतिपूर्ण और कानून मानने वाले समाज के लिए सही नहीं माना जा सकता। लाइसेंस देते समय आर्मस एक्ट से जुड़े नियमों का पालन हो इससे पहले एक याचिका पर सुनवाई करते हुए

जस्टिस विनोद दिवाकर ने राज्य के सभी 75 जिलों के जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे लाइसेंस देते समय या उनका नवीनीकरण करते समय हथियार अधिनियम और उससे जुड़े नियमों का सख्ती से पालन करें। साथ ही उन्होंने यह भी सलाह दी थी कि आपराधिक इतिहास वाले लोगों को लाइसेंस देने की नीति पर फिर से विचार किया जाए।

कोर्ट ने उन लोगों का ब्योरा मांगा था जिनके पास हथियारों के लाइसेंस हैं। इसके जवाब में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) ने एक हलफनामा दायर किया। हलफनामे को देखने के बाद कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह साफ जाहिर है कि कानून का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है। हालांकि अपर मुख्य सचिव (गृह) ने एक हलफनामा दायर कर बताया कि राज्य में 1,008,953 हथियारों के लाइसेंस हैं, जिनमें से विभिन्न श्रेणियों के 23,407 आवेदन अभी लंबित हैं।

नर्स का मर्डर कर अस्पताल में छोड़ा...सामने आई प्रेम जाल और धर्म परिवर्तन की कहानी

उत्तरप्रदेश के मेरठ में मेडिकल कॉलेज की एक नर्स की संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं. शुरुआती जांच में प्रेम संबंध, शादी का दबाव और कथित धर्म परिवर्तन का एंगल सामने आया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। थाना मेडिकल क्षेत्र में लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज में तैनात नर्स की हत्या कर दी गई. हत्या को आत्महत्या दर्शाता का भी प्रयास किया गया. मृतक नर्स को एक महिला मेडिकल इमरजेंसी में बहाने से छोड़कर फरार हो गई. पुलिस ने इस मामले में दो महिलाओं को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है. परिवार की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. मुख्य आरोपी युवक अभी फरार बताया जा रहा है.

नर्स को इमरजेंसी में छोड़कर फरार

दरअसल थाना मेडिकल क्षेत्र के

लखनऊ के मलिहाबाद में हाई अलर्ट राजा कंसा पासी का किला, महादेव मंदिर का दावा और जुमे की नमाज



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में स्थित एक ऐतिहासिक स्थल को लेकर पासी समाज और मुस्लिम पक्ष के बीच विवाद गहराता जा रहा है. पासी समाज के लोगों ने जुमे की नमाज के दिन किला परिसर में नमाज पढ़े जाने का कड़ा विरोध करते हुए प्रदर्शन का ऐलान किया है. उनका दावा है कि वर्तमान में मस्जिद और कब्रिस्तान के रूप में जानी जाने वाली यह संरचना दरअसल 11वीं सदी के नागवंशी शासक राजा कंस का किला है. आज बाहर से काफी तादात में लोगों के नमाज पढ़ने आने के इनपुट मिलने पर प्रशासन ने एहतियातन बैरिकेडिंग करके भारी पुलिस बल तैनात किया है.

पासी समाज का दावा और सीएम को पत्र

पासी समाज का कहना है कि यह स्थान 11वीं सदी का ऐतिहासिक किला है, जिसके भीतर प्राचीन काल से भगवान महादेव का मंदिर हुआ करता था और वहां पूजा होती थी. समाज का आरोप है कि उनकी इस ऐतिहासिक विरासत को गलत तरीके से बदलकर उस पर कब्जा कर लिया गया है. इस गंभीर मुद्दे को लेकर पासी समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है. अपने दावे को मजबूत करने के लिए पासी समाज ने लखनऊ के पुराने गजेटियर का हवाला दिया है. इसके अनुसार काकोरी और मलिहाबाद का इलाका 11वीं सदी में राजपासी राजा कंस के प्रभाव में था. जब विदेशी आक्रांता सालार मसूद गाजी इस क्षेत्र में आया, तब वीर योद्धा राजा कंस ने उसका कूड़ा मुकाबला किया था और इसी इलाके में उसके दो सेनापतियों को मार गिराया था. घटनास्थल को कब्रिस्तान और मस्जिद के रूप में प्रस्तुत किए जाने से इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है. संभावित टकराव और कानून व्यवस्था की समस्या को रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है.

गोमतीनगर एक्सप्रेस में सिरकटी लाश ऑनर किलिंग केस! दो बहनों की लव मैरिज से नाराज था पिता



महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुशीनगर। बिहार के छपरा से लखनऊ के गोमतीनगर आने वाली गोमतीनगर एक्सप्रेस में सिरकटी लाश मिलने का मामला सुलझ गया है। सिरकटी लाश मिलने के बाद सनसनी मच गई थी। लड़की की बाँड़ी एक बक्से में रखी गई थी। गोमतीनगर एक्सप्रेस के एस-1 कोच में बक्सा मिलने से हड़कप मच गया था। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। गोमतीनगर से छपरा तक के स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। इसके बाद जो खुलासा हुआ, वह हैरान करने वाला है। पूरा मामला ऑनर किलिंग का निकला है। दो बहनों की लव मैरिज से नाराज पिता के तीसरी बहन को मार डालने का खुलासा हुआ है।

क्या है पूरा मामला?

छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में मिली किशोरी की सिरकटी लाश का मामला ऑनर किलिंग का निकला है। इस मामले में खुलासा हुआ है कि पिता ने ही अपनी 16 वर्षीय बेटी को मारा था। दरअसल, पिता अपनी दो बेटियों के प्रेम विवाह से पहले से नाराज था। तीसरी बेटी भी प्रेम जाल में घिरी हुई थी। इससे बौखलाए पिता ने बेटी को मारकर उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। इसमें उसके बहन-बहनोई ने भी पूरा साथ दिया। सेवरही थाना क्षेत्र के पिंपाघाट मुस्तकिल गांव के टोला जयपुर निवासी बिग्नन ई-रिक्शा चलाता है। इसी से उसके परिवार का भरण-पोषण होता है। बिग्नन की तीन बेटियां और दो बेटे थे। दो बेटियों ने पहले ही लव मैरिज कर लिया था। 16 वर्षीय तीसरी बेटी भी किसी युवक से बात करती थी। बिग्नन इससे काफी नाराज था। उसने बेटी कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं मानी।



जागृत विहार सेक्टर 3 में रहने वाली अंजली शर्मा लाला लाजपत राय को मेडिकल कॉलेज में नर्स के पद में तैनात थी. बताया जा रहा है कि वह सुबह ड्यूटी करने के लिए घर से निकली थी और काम पर नहीं पहुंची. 1:00 बजे के आसपास एक महिला उसको ई-रिक्शा में डालकर लाई और इमरजेंसी में छोड़कर फरार हो गई. अंजलि को बेसुध अवस्था में उसके कलीग कर्मचारियों ने देखा तो उसे पहचान लिया और तुरंत ही उसे अंदर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया. सूचना पुलिस को दी गई. पुलिस पहुंची और मेडिकल कॉलेज में लगे सभी सीसीटीवी की जांच की. घटना की सूचना नर्स के परिजनों को दी गई तो परिजन भी वहां पहुंच गए. सीसीटीवी कैमरे में दिख रही महिला की तलाश की गई. कुछ ही घंटे में पुलिस में उसे और उसकी मां को हिरासत में ले लिया.

पानी बचाने के लिए 75 स्कूलों में लगेगा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने जल संरक्षण को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए 75 सीएम श्री स्कूलों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को री-डिवेलप और आधुनिक बनाने का फैसला किया है। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि इस परियोजना के जरिए हर साल करीब 50 करोड़ लीटर वर्षा जल संरक्षित करने की क्षमता विकसित की जाएगी।
सीएम रेखा गुप्ता ने की बैठक

इसे लेकर एक बैठक की है, जिसमें अधिकारियों ने परियोजना को लेकर डिटेल रिपोर्ट पेश की, जिसमें स्कूलों में मौजूद रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की वर्तमान स्थिति, उनकी कमियां और सुधार का एक्शन प्लान बताया।

हर साल इतने पानी का होगा संरक्षण

सीएम के मुताबिक, दिल्ली में औसतन 775 मिमी बारिश होती है और करीब 2500 वर्ग फुट की छत से हर साल करीब 2 लाख लीटर पानी संरक्षित कर सकते हैं। इसे एक पांच सदस्यीय परिवार की सालाना जरूरत पूरी करने में पर्याप्त माना गया है। साथ ही हर स्कूल में रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग मॉडल लगाया जाएगा। सरकार का दावा है कि केवल स्कूलों की छतों से ही हर साल करीब 13 करोड़ लीटर पानी संरक्षित किया जा सकता है। संगठन उन्होंने बताया कि स्कूलों में गैर सरकारी ‘अहसास’ के मॉडल को अपनाया जाएगा, जिसे वर्ष 2021 में दिल्ली जल बोर्ड ने मंजूरी दी थी। यह मॉडल कम लागत, कम जगह और लगभग शून्य रखरखाव वाला माना जाता है। इसके तहत छतों से आने वाले वर्षा जल को फिल्टर कर स्टोरेज और बोरेवेल से जोड़ा जाएगा, जिससे भूजल रिचार्ज और सूखे बोरेवेल को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी।

मर्डर होने ही वाला था! दरवाजा तोड़कर पलैट में घुसी पुलिस, खून से सनी महिला का पति के वंगुल से सुड़ाया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। एक बड़ी वारदात टल गई, जहां पुलिस की समय पर पहुंचकर एक महिला की जान बचा ली. चरित्र पर शक के चलते पति ने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया था. महिला की चीख सुनकर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला. पुलिस की इस तत्परता की अब हर ओर चर्चा हो रही है. आमतौर पर किसी अपराध के होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचती है, लेकिन महाराष्ट्र के नागपुर में एक ऐसा मामला सामने आया, जहां पुलिस की समय पर एंटी ने एक महिला की जान बचा ली. अगर कुछ मिनट की और देरी होती, तो यह मामला एक हत्या में बदल सकता था। पुलिस की तत्परता और सूझबूझ की अब पूरे शहर में चर्चा हो रही है. मामला नागपुर के बेलतरोडी थाना क्षेत्र का है,जहां पति ने चरित्र पर शक के चलते पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया. घायल महिला का नाम अश्लेषा वानखेड़े है जबकि आरोपी पति का नाम ऋषिकेश वानखेड़े है ,पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार भी कर लिया है. जानकारी के अनुसार, दोनों ने इंटरकास्ट लव मैरिज किया था और उनका 6 साल का बेटा भी है. लेकिन पिछले कुछ दिनों से पति को पत्नी के चरित्र पर शक था, जिसको लेकर आए दिन विवाद हो रहा था. बुधवार रात विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद कर पत्नी पर हमला कर दिया.

मर्डर से ठीक पहले दरवाजा तोड़कर घुसी पुलिस

महिला की चीख-पुकार सुनकर उसके पिता और स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने दरवाजा नहीं खोला. इसके बाद पुलिस ने फिल्मी अंदाज में दरवाजा तोड़कर प्लैट में प्रवेश किया और महिला को गंभीर हालत में बाहर निकाला. पुलिस के अनुसार आरोपी ने महिला के सिर और गले पर चाकू से कई वार किए थे. महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इमरजेंसी सर्जरी कर उसकी जान बचाई. फिलहाल उसकी हालत खररे से बाहर बताई जा रही है. इस कार्रवाई में शामिल पुलिसकर्मियों की तत्परता की सराहना की जा रही है.

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बाघ का आतंक, 4 महिलाओं को एक साथ मार डाला



महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। चंद्रपुर जिला एक बार फिर इंसानों और वन्यजीवों के बीच बढ़ते खूनी संघर्ष का गवाह बना है. जिले के सिंदेवाही तहसील के अंतर्गत आने वाले गुंजेवाही इलाके में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई. यहां के जंगलों में घात लगाए बैठे एक बाघ ने तेंदूपता तोड़ने गई चार महिलाओं पर जानलेवा हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया. चंद्रपुर के इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी और वीरभत्स घटनाओं में से एक है, जहां एक ही समय में बाघ के हमले में चार लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुंजेवाही गांव की रहने वाली ये महिलाएं रोजमर्रा की तरह आग सुबह गांव के पास स्थित घने जंगल में तेंदूपता लेने के लिए गई थीं. महिलाएं जब काम में व्यस्त थीं, तभी झाड़ियों में छिपे बाघ ने उन पर अचानक हमला बोल दिया. जंगल के भीतर चीख-पुकार मच गई, लेकिन जब तक कोई उनकी मदद के लिए पहुंचता, बाघ ने चारों महिलाओं को बुरी तरह लहलुहान कर मार डाला था. इस सामूहिक शिकार की खबर जैसे ही गांव में फैली, पूरे इलाके में कोहाम मच गया. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भारी सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की. इस भयावह त्रासदी के बाद से स्थानीय ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश और गुस्सा देखा जा रहा है. ग्रामीणों का आरोप है कि चंद्रपुर जिले में बाघों और तेंदुओं के हमले लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन वन विभाग वन्यजीवों को रियायती इलाकों और बफर जोन से दूर रखने में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है.

पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार को बम से उड़ाने की धमकी, पाकिस्तान से आया वीडियो कॉल



कि पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने का अंजाम भुगतना पड़ेगा और जल्द ही उसके घर को बम से उड़ा दिया जाएगा।

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

इस अंतरराष्ट्रीय धमकी भरे कॉल के बाद डरे हुए

‘जानवर जो पानी पीते हैं वही हम पीते हैं’, मुंबई से सटे आदिवासी गांवों में गंभीर जल संकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र । पालघर जिले में भीषण जल संकट ने आदिवासी इलाकों में लोगों की जिंदगी मुश्किल कर दी है. मुंबई से सटे इस जिले में एक ओर बुलेट ट्रेन, वाहवण पोर्ट और मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे बड़े प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आदिवासी परिवार पीने के पानी की एक-एक बुंद के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पालघर को ‘चौथी मुंबई’ बनाने की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि डहाणू तहसील के विवळ्वेदे गांव स्थित कातकरी पाड़ों में रहने वाले सैकड़ों परिवारों के पास पीने के लिए साफ पानी तक उपलब्ध नहीं है. भीषण गर्मी के बीच यहां की महिलाओं और बच्चों को रोजाना करीब एक किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है. गांव के कुएं और बोरेवेल पूरी तरह सूख चुके हैं. ऐसे में ग्रामीण अब जंगलों में बने छोटे-छोटे और कीचड़ भरे ढबकों के सहारे जिंदगी गुजार रहे हैं. सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिन का पानी मेवेशी पीते हैं, उसी दूषित पानी को ग्रामीण भी पीने को मजबूर हैं. स्थानीय महिलाओं का कहना है कि जब वे मजदूरी से लौटती हैं, तब तक बैल और अन्य जानवर पानी को और गंदा कर चुके होते हैं.

बांद्रा अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पत्थरबाजी, अब तक 16 गिरफ्तार, अन्य 150 की तलाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांद्रा। मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हुए पथराव के मामले में पुलिस ने 16 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 150 से ज्यादा लोगों की तलाश जारी है. पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. वेस्टर्न रेलवे नेटवर्क पर बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के बीच स्थित गरीब नगर इलाके में करीब 5200 वर्ग मीटर जमीन खाली कराने के लिए 19 मई को तोड़फोड़ अभियान शुरू किया गया था. रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाए गए एक मस्जिद को हटाने की कार्रवाई के दौरान 20 मई को भारी विरोध देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को दो बार लाठीचार्ज करना पड़ा. अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए गए अभियान के दौरान 1000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे. इनमें मुंबई पुलिस के लगभग 400 जवान, रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे पुलिस के 400 कर्मी तथा रेलवे विभाग के अन्य अधिकारी शामिल थे. प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों के तहत की गई. वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि

मशीन में फोन नंबर डाल सीधे वॉट्सऐप पर मिलेगा मेट्रो टिकट, समझे पूरा प्रोसेस

दिल्ली मेट्रो ने यात्रियों की सुविधा के लिए 12 स्टेशनों पर ‘सेल्फ सर्विस मोबाइल टिकटिंग कियोस्क’ की शुरुआत की है, जिससे बिना किसी ऐप को डाउनलोड किए सीधे वॉट्सऐप पर डिजिटल QR टिकट प्राप्त किया जा सकेगा।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों के लिए टिकट खरीदना अब और आसान होने जा रहा है। अब स्क्र कोड वाला डिजिटल टिकट लेने के लिए किसी मोबाइल ऐप को डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने स्टेशन पर सेल्फ सर्विस मोबाइल टिकटिंग कियोस्क शुरू किए हैं, जिनकी मदद से यात्री सीधे अपने वॉट्सऐप पर टिकट प्राप्त कर सकेंगे।

12 मेट्रो स्टेशनों पर शुरू हुई सुविधा

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह सुविधा 12 मेट्रो स्टेशनों पर शुरू की गई है। इन कियोस्क को टिकट वेंडिंग मशीन के पास लगाया गया है। यहां से टिकट लेने के लिए यात्रियों को कोई ऐप डाउनलोड नहीं करना होगा। यात्री सिर्फ अपना डेस्टिनेशन स्टेशन चुनेंगे और अपना वट्सऐप वाला मोबाइल नंबर दर्ज करेंगे।

यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

इसके बाद टिकट सीधे उनके वॉट्सऐप पर भेज



कि पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने का अंजाम भुगतना पड़ेगा और जल्द ही उसके घर को बम से उड़ा दिया जाएगा।

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

इस अंतरराष्ट्रीय धमकी भरे कॉल के बाद डरे हुए

‘जानवर जो पानी पीते हैं वही हम पीते हैं’, मुंबई से सटे आदिवासी गांवों में गंभीर जल संकट



मजबूरी में वही मटमैला पानी पीना पड़ता है. ग्रामीणों के मुताबिक, जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पाइपलाइन और नल तो लगाए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर हमला लोगों को ग्रामीण भी पीने को मजबूर हैं. स्थानीय निवासी विलास भोये ने कहा कि सरका कई योजनाएं चला रही है, लेकिन लोगों को साफ पानी नहीं मिल पा रहा. उन्होंने बताया कि पानी लाने के लिए रोज मजदूरी खोड़नी पड़ती है, जिससे परिवार की आय भी प्रभावित होती है. दूषित पानी की वजह से गांव में बीमारियों का खराा लगातार बढ़ रहा है.

विवळ्वेदे क्षेत्र के करीब आठ पाड़ों में हालात लगभग एक जैसे हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि योजनाएं सिर्फ कागजों पर पूरी दिखाई गई, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका लाभ लोगों तक नहीं पहुंचा. स्थानीय निवासी केतन सवरा ने बताया कि गांव में लगे नलों में कभी पानी नहीं आता. उन्होंने प्रशासन से मांग की कि कम से कम दो-तीन दिन में एक बार ही सही, लेकिन पानी छोड़ा जाए और इलाके में स्थायी पानी की टंकी बनाई जाए. पालघर जिले में जल जीवन मिशन के तहत 500 से ज्यादा जलापूर्ति योजनाएं चलने का दावा किया जा रहा है,

बांद्रा अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पत्थरबाजी, अब तक 16 गिरफ्तार, अन्य 150 की तलाश



बुलडोजर चलाने से पहले उन्हें अपना सामान हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पथराव और उसके बाद हुए लाठीचार्ज की तस्वीरें सामने आई हैं. स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में महिलाएं और बच्चे भी घायल हुए. निर्मल नगर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी के अनुसार गिरफ्तार लोगों में दिलशाद शेख (19), जाकिर अब्बासी (30), साजिद अंसारी (26), सलाहुद्दीन शेख (26), रहीम खान (19), अरबन मोहम्मद फुरकान (21), नाजिम रफीक (20), दिलशाद अहमद (46), इसरार खान (19) और मोबीन अब्दुल हमीद खान (26) समेत अन्य शामिल हैं. इन सभी पर भारतीय न्याय

संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. इनमें हत्या के प्रयास, गैरकानूनी जमावड़ा और हिंसा से जुड़ी धाराएं शामिल हैं. पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए CCTV फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है. घटना में घायल हुए पुलिसकर्मियों में प्रतीक जाधव, चंद्रकांत देबारे, नवगाथा मुद्गुल, ओंकार कोली और दात्राये बागुल शामिल हैं. उच्चार के बाद सभी को अस्पताल से छुड़ी दे दी गई. इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पुलिस ने कार्रवाई तभी की जब उस पर हमला किया गया. उन्होंने कहा, ‘अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव किया. स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है और पथराव में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया गया है.’ वेस्टर्न रेलवे के मुताबिक, बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के बीच रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के अपग्रेडेशन के लिए इलाके से अवैध झोपड़ियों को हटया जा रहा है.

बकरीद पर दिल्ली सरकार की गाइडलाइंस... खुले में कुर्बानी पर रोक, इन जानवरों की अनुमति



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मुसलमानों का पवित्र त्योहार ईद-उल-अजहा (बकरीद) इस साल 28 मई को मनाया जाएगा. बकरीद को लेकर पूरे देश में तैयारियां शुरू हो गई हैं. इसी बीच दिल्ली सरकार ने बकरीद के दौरान कुर्बानी को लेकर सख्त गाइडलाइन्स जारी की है. दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए गाइडलाइन्स का जिक्र किया. एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कपिल मिश्रा ने कहा, ‘बकरीद पर गौवंश, गाय, बछड़ा, ऊंट व अन्य प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी पूरी तरह गैरकानूनी है. ऐसा करने वालों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा. इसके अलावा कपिल मिश्रा ने कुर्बानी के लिए जानवरों को अवैध तरीके से बेचना या खरीद-फरोख्त करना भी पूरी तरह गैरकानूनी बताया है. कपिल मिश्रा ने कहा, ‘सार्वजनिक स्थानों, गलियों, सड़कों या खुले इलाकों में भी कुर्बानी की अनुमति नहीं है.’ प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खरीद-फरोख्त और कुर्बानी सिर्फ निर्धारित और वैध जगहों पर ही की जाए, जिससे कानून व्यवस्था बनी रहे. कुर्बानी के बाद निकलने वाले वेस्ट को सीवर, नालियों या सार्वजनिक स्थानों पर फेंकना भी पूरी तरह प्रतिबंधित है. कपिल मिश्रा ने नागरिकों से अपील की है कि ये गाइडलाइन्स स्वच्छता, कानून का पालन और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए जारी किए गए हैं. उन्होंने आगे कहा कि इन गाइडलाइंस का उल्लंघन होने पर पुलिस व दिल्ली सरकार के विकास मंत्रालय को सूचित कर सकते हैं. सरकार ने लोगों से गुजारिश की है कि बकरीद का पर्व आस्था, शांति और स्वच्छता के साथ मनाएं. केवल अधिकृत जगहों पर कुर्बानी करें, कचरे का उचित निपटान करें और किसी भी अवैध गतिविधि से बचें. प्रशासन इन गाइडलाइन्स की सख्त निगरानी करेगा.

दिल्ली पुलिस के अधिकारी की पत्नी की सदियथ हलात में मौत, गले पर फंदे के निशान और दुपट्टा बरामद



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के वेस्ट विनोद नगर इलाके में गुरुवार सुबह एक 38 वर्षीय महिला की सदियथ परिस्थितियों में मौत हो गई. पुलिस ने इसे संभावित आत्महत्या का मामला बताया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची. मृतक की पहचान गीता ठाकुर के रूप में हुई है, जो राकेश कुमार की पत्नी थीं. राकेश कुमार पूर्वी जिले में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस के पद पर कार्यरत हैं. पुलिस के अनुसार यह जानकारी राजीव कुमार ने एक बयान में दी है. पुलिस को इस घटना की जानकारी एक पीसीआर कॉल के जरिए मिली. यह कॉल सुबह करीब 9 बजकर 50 मिनट पर मंडावली पुलिस स्टेशन में प्राप्त हुई थी. सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई. घटनास्थल पर स्टेशन हाउस ऑफिसर, जांच अधिकारी, पुलिस कर्मी और क्राइम व फॉरेंसिक टीम भी पहुंची. सभी टीमों ने मिलकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और प्रारंभिक जांच शुरू की. पुलिस के अनुसार जांच के दौरान क्राइम टीम को महिला के गले पर फंदे के निशान मिले हैं. मौके से एक दुपट्टा भी बरामद किया गया है, जिसे जांच के लिए जब्त कर लिया गया है. पुलिस का कहना है ताकि वैज्ञानिक जांच के जरिए सच्चाई का पता लगाया जा सके. प्रारंभिक जांच में पुलिस ने बताया है कि महिला की शादी 1 अक्टूबर 2025 को हुई थी. हालांकि अभी तक मौके के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है. पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है. घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है. वहीं परिवार के सदस्यों और अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं. पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण भी हो सकता है. जांच एजेंसियां अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार कर रही हैं, जिसके बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी. पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है और हर एंगल को ध्यान में रखा जा रहा है.

10 दिनों में सुलझाया बुराड़ी मर्डर केस, थप्पड़ का बदला लेने के लिए की थी हत्या



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बुराड़ी में थप्पड़ मारने से नाराज शख्स ने अपने साढ़ू की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने शव को दिल्ली जल बोर्ड की गहरी पाइपलाइन के नीचे छिपा दिया। तीन दिन बाद पुलिस ने मृतक का शव सड़ी-गली हालत में बरामद किया। मृतक की पहचान राजा कुमार (40) के रूप में हुई है, जो हर्दवे नगर, झड़ौदा माजार में परिवार के साथ रहते थे। जांच के दौरान पता चला कि 10 मई की रात राजा अपने साढ़ू जितेंद्र कुमार के साथ थे, जिसके बाद वह लापता हो गए। बाद में आरोपी भी फरार हो गया। नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट डीसीपी राजा बाँटिया ने बताया कि 13 मई की सुबह बुराड़ी मेट्रो स्टेशन के पास पाइपलाइन के नीचे एक शव मिलने की सूचना मिली थी मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। भीड़ में मौजूद एक महिला ने शव की पहचान अपने देवर राजा कुमार के रूप में की। शव पर चोटों के निशान मिलने के बाद हत्या की आशंका जताई गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि राजा की पत्नी बबोिता ने 11 मई को वजीराबाद थाने में पति की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उसने अपने जीजा जितेंद्र कुमार पर शक जताया था।

एक महीने से अपनी बहन के घर थी महिला

पुलिस पृष्ठताछ में सामने आया कि जितेंद्र और उसकी पत्नी सपना के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। सपना पिछले एक महीने से अपनी बहन बबोिता के घर रह रही थी। 10 मई को जितेंद्र पत्नी से मिलने पहुंचे और विवाद के दौरान राजा ने उसे थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ का बदला मौत इसी बात से नाराज होकर जितेंद्र ने बदला लेने की साजिश रच डाली। आरोपी ने पहले माफी मांगने का नाटक किया और बाद में शराब पीने के बहाने राजा को स्कूटी पर अपने साथ ले गया।

नारनौल में पारदी गैंग का एनकाउंटर : सात बदमाश पकड़े गए, दो घायल

-**पकड़े गए सभी आरोपी मध्यप्रदेश के निवासी**

गुरुग्राम (एजेंसी)। नारनौल में सीआईए (क्राइम इंस्टिगेशन एजेंसी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय पारदी गैंग के सात शांतिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हुड्डा सेक्टर के पास हुई साहसिक मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, इसके बाद उन्हें इलाज के लिए महेंद्रगढ़ अस्पताल में भर्ती किया गया। यह पखवाड़े भर में हुई एनकाउंटर की दूसरी घटना है, जो एएसपी के बदमाशों के खिलाफ सख्त एक्शन को दर्शाती है। प्रास जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब सवा तीन बजे सीआईए को सूचना मिली थी कि यह गैंग नारनौल में किसी बड़ी बारदात को अंजाम देने वाली है। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस के भी पर कायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी निर्यात फायरिंग की। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मध्य प्रदेश निवासी हैं। इनमें से एक पर 15,000 रुपये और दूसरे पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था। करीब एक पखवाड़े पहले यही गैंग भिवानी और महेंद्रगढ़ में रात के समय रही करते हुए सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ था। पुलिस को अंदेशा है कि इस गैंग के पकड़े जाने से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के घर पर हुए हमले की वारदात का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस ने मौके से एक खचालित पिस्तौल, देसी कट्टा, कारतूस, वारदात में इस्तेमाल होने वाली गुलेतें, सरिया और वायर कट्टर भी बरामद किए हैं। पुलिस फिलहाल बदमाशों से गहन पूछताछ कर रही है।

पश्चिम बंगाल : टीएमसी नेताओं पर कार्रवाई तेज, वासूल गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के बाद से तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में, टीएमसी मजदूर संघ इकाई के अध्यक्ष शेख वासूल को लोगों को डराने-धमकाने, धोखाधड़ी करने और चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोपों में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुर्गापुर-फरीदपुर ब्लॉक के लाउडहो इलाके से रैर रात छापा मारकर शेख वासूल को पकड़ा। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी नेता वासूल पर नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके लोगों से मोटी रकम वसूलने और इलाके में अपना दबदबा बनने के लिए भया का माहौल पैदा करने का आरोप है। सूत्रों ने दावा किया कि उस पर विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने का दावा बनाने के आरोप थे, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ा था। गिरफ्तारी के वक्त वासूल ने खुद को निदीष बताकर कहा कि वह 15 साल से पार्टी में हैं और उसके खिलाफ पहले कभी कोई शिकायत नहीं हुई। बताया जाता है कि उसके खिलाफ लंबे समय से कई शिकायतें दर्ज थीं। शुक्रवार सुबह वासूल को दुर्गापुर उपमंडल न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई तब हुई है, जब राज्य में राजनीतिक बदलाव के बाद से टीएमसी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों की पकड़ मजबूत हुई है। हाल ही में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस को नगर निगम भर्ती घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया था, जो बालिया बड़ी गिरफ्तारियों में से एक थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, बोस पर दक्षिण दमदम नगर पालिका के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए करीब 150 उम्मीदवारों की सफाईकरण के बदले आर्थिक लाभ लेने का आरोप है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि उसने कथित तौर पर कई लोगों को नगर निगम में नौकरी दिलाने में मदद करने के बदले फलेटों के रूप में अपराध की आय अर्जित की थी। जांचकर्ताओं ने दावा किया है कि उनसे जुड़े कुछ खातों में बड़ी मात्रा में नकदी जमा है। बोस को इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश होने के कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, पंजाब सरकार का बड़ा अभियान



चंडीगढ़ (एजेंसी)। आवारा कुत्तों और पशुओं से बढ़ते खतरों पर सर्वोच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद पंजाब सरकार हरकत में आई है। मुख्यमंत्री भगवत मान ने घोषणा की है कि राज्य में बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कल से आवारा तथा खतरनाक कुत्तों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू होगा। मुख्यमंत्री मान ने इन्हें फैसले के लिए सर्वोच्च न्यायालय का ध्यानवाद भी किया है। सीएम मान के अनुसार, पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर व्यापक कार्रवाई करेगी। इस घोषणा के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। संबधित विभागों को तत्काल तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय, जायकि ग्रामीण इलाकों में पशुपालन तथा पंचायत विभाग मिलकर इस अभियान को अंजाम देगी। यह अभियान सड़कों, राजमार्गों, स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष रूप से केन्द्रित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि इन क्षेत्रों से आवारा कुत्तों की मौजूदगी रोकना प्रशासन की सीधी जिम्मेदारी है। पकड़े गए पशुओं को निर्धारित आश्रय स्थलों में रखा जाएगा, जहाँ उनके लिए भोजन, पानी और चिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था होगी। शीघ्र अदालत ने संस्थानों को अपने परिसरों की मजबूत घेराबंदी करने, नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कुत्तों की नसबंदी तथा टीकाकरण के बाद उन्हें दोबारा उन्ही परिसरों में छोड़कर निर्धारित डोंग शेल्टर में रखने की भी निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु चौबीस घंटे गश्त करने वाली विशेष टीमें गठित करने और हेलीपलान नंबर वाले बोर्ड लगाने के आदेश दिए गए हैं। सभी अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सिन का पर्याप्त भंडार रखने तथा स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हर जिले में कम से कम एक पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करने पर भी जोर दिया है। अदालत ने चेतावनी दी है कि आदेशों के पालन में लापरवाही होने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

राहुल गांधी आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे –केंद्रीय मंत्री ने कहा– वे अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा को महसूस नहीं कर रहे

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि वे देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक होने और संसद में नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठने के बावजूद अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा और उत्तरदायित्व को महसूस नहीं कर पा रहे हैं। शेखावत ने कटाक्ष किया कि बच्चा तो बड़ा हो गया, लेकिन बुद्धि अभी बच्चे जैसी ही बनी है। वे आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आज पूरी वैश्विक व्यवस्था चरमराई हुई है। दुनिया एक टर्बुलेंट जियोपॉलिटिकल सिचुएशन से गुजर रही है। विश्व अब मल्टीपोलर हो चुका है। ऐसे संकट के समय में पूरी दुनिया भारत की तरफ देख रही है और हर देश भारत को अपना पार्टनर बनाने के लिए आतुर है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बेहद सफल यात्रा देश के व्यापक हितों और भविष्य के विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक रही है। इस



वैरान कटिंग एज टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, डिफेंस इंड्रिपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, नॉर्डिक देशों के साथ वॉटर टेक्नोलॉजी और नॉर्वे के साथ मोबिलिटी एप्रीमेंट जैसे बेहद अहम समझौते हुए हैं। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के हितों के संरक्षण के लिए पीएम मोदी का यूनाइटेड अरब अमीरात का दौरा भी रणनीतिक रूप से बहुत अहम था।

शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से उस बालक बुद्धि ने देश के व्यापक हितों से जुड़े इन गंभीर और ऐतिहासिक वैश्विक समझौतों को लेकर भी बचकानी टिप्पणियां कीं। गैर- जिम्मेदारना बयानबाजी की

और देश में एक फॉल्स नैरिटिव खड़ा करने की नाकाम कोशिश की। शेखावत ने पूर्व पीएम राजीव गांधी से जुड़ा एक उदाहरण सामने रखा। उन्होंने याद दिलाया कि जब तत्कालीन पीएम राजीव गांधी श्रीलंका के दौर पर थे और गार्ड ऑफ ऑनर के समय उन पर हमला करने की कोशिश की गई थी, तब बीजेपी विपक्ष में थी और सदन में बीजेपी के 121 सांसद थे, जो कांग्रेस के मौजूद 99 सांसदों की संख्या से कहीं बड़े थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष में होने के बावजूद हमने उस हमले को किसी एक दल या नेता पर नहीं, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा और संप्रभुता

65 साल पुरानी सरकारी मिसल ‘गायब’; दबंगों से त्रस्त महिला की रुला देने वाली गुहार- क्या कलेक्ट्रेट में बच्चों समेत फांसी लगा लें, तब जागेंगे अफसर?

फाइलों को खा गई प्रशासनिक ‘दीमक’, न्याय को तरस रही जनता; टॉक जनसुनवाई में बेनकाब हुआ ‘सुशासन’ का खोखलापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो
(पवन माकन/पीयूष गौतम) टोंक। वातानुकूलित कमरों में बैठकर ‘सुशासन’ के चाहे जितने दावे कर लिए जाएं, लेकिन टोंक कलेक्ट्रेट की जमीन पर गिरते आम आदमी के आंसू इन दावों की धज्जियां उड़ाने के लिए काफी हैं। गुरुवार को जिला कलेक्टर टीना डाबी की जनसुनवाई में उमड़ी भारी भीड़ और दर्ज हुए रिकॉर्ड 383 मामले प्रशासन की कोई ‘उपलब्धि’ नहीं, बल्कि निचले स्तर पर फैले भ्रष्टाचार, निकम्मेपन और संवेदनहीनता का जीता-जागता सुवृत् हैं। हालात यह हैं कि न्याय की आस में कलेक्ट्रेट पहुंची एक बेबस मां आत्महत्या की इजाजत मांग रही है, और दूसरी तरफ राजस्व विभाग का ‘सिडिकेट’ एक किसान की 65 साल पुरानी सरकारी फाइल को ही निगल गया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि— क्या जनसुनवाई सिर्फ फरियादियों को वापस उसी भ्रष्ट सिस्टम के पास धकेलने का एक पीआर इवेंट बनकर रह गई है ? राजस्व विभाग का ‘महाघोटाला’: 65 साल की काश्त, लेकिन रिकॉर्ड रूम से फाइल ‘गायब’ भ्रष्टाचार की सड़ांध किरुस कदर सिस्टम की जड़ों तक पहुंच चुकी है, इसका सबसे खौफनाक उदाहरण देवली क्षेत्र के ग्राम चांदली का मामला है। यह सिर्फ एक जमीन का विवाद

भ्रष्टाचार की सड़ांध किरुस कदर सिस्टम की जड़ों तक पहुंच चुकी है, इसका सबसे खौफनाक उदाहरण देवली क्षेत्र के ग्राम चांदली का मामला है। यह सिर्फ एक जमीन का विवाद

भ्रष्टाचार की सड़ांध किरुस कदर सिस्टम की जड़ों तक पहुंच चुकी है, इसका सबसे खौफनाक उदाहरण देवली क्षेत्र के ग्राम चांदली का मामला है। यह सिर्फ एक जमीन का विवाद

सिकंदराबाद (एजेंसी)। सिलीगुड़ी (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी अनुमंडल के फांसीदेवा क्षेत्र में शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीली बाड़ (फेंसिंग) लगाने का काम शुरू हो गया। यह कदम राज्य सरकार द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 27 किलोमीटर भूमि के साथ-साथ बॉर्डर आउटपोस्ट और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त जमीन सौंपने के बाद उठाया गया है। इससे संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था काफी मजबूत होने की उम्मीद है। इस विकास कार्य से स्थानीय सीमावर्ती निवासियों ने भारी राहत व्यक्त की है। लंबे समय से असुरक्षा का सामना कर रहे ग्रामीणों ने इसे एक बड़ और जरूरी कदम बताया। स्थानीय निवासी अर्पिल घोष ने कहा, इस सीमावर्ती इलाके में पहले सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं थी। यहां का माहौल इतना खौफनाक था कि बयान नहीं किया जा सकता। हम मवेशी तक नहीं पाल सकते थे, क्योंकि उन्हें पालने का मतलब बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के हवाले करना था। यह सिर्फ बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा का मामला था। आज नई सरकार और नए



मुख्यमंत्री के प्रयासों से हम खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक अन्य ग्रामीण नारायण साहा ने बताया कि पहले की मांगें अनसुनी कर दी गई थीं, लेकिन सुवेंदु अधिकारी के कार्यभार संभालते ही महज 10 दिनों के भीतर बीएसएफ को खुली छूट मिल गई, जिससे अब लोग चैन की नींद सो सकेगे। ग्रामीण शिवम मोदक ने भी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम बताया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के बाद यह

मुख्यमंत्री के प्रयासों से हम खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक अन्य ग्रामीण नारायण साहा ने बताया कि पहले की मांगें अनसुनी कर दी गई थीं, लेकिन सुवेंदु अधिकारी के कार्यभार संभालते ही महज 10 दिनों के भीतर बीएसएफ को खुली छूट मिल गई, जिससे अब लोग चैन की नींद सो सकेगे। ग्रामीण शिवम मोदक ने भी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम बताया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के बाद यह

–बाबा वेंगा की डरा रही है भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)।इस वक पूरा विश्व बड़े ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त थी, और अब अमेरिका व ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस संकट को और गहरा कर रहा है। भू-राजनीतिक तनाव के इस माहौल के बीच, बुलारिया की भविष्यवका बाबा वेंगा की एक कथित

भविष्यवाणी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसने आम जनमानस की चिंताओं को बढ़ा दिया है। अतीत में उनकी कई भविष्यवाणियों के सच होने के दावों के कारण लोग इस नई चेतावनी को लेकर भी आकर्षित हैं। इंटरनेट पर चल रहे दावों के अनुसार, बाबा वेंगा ने वर्ष 2026 के लिए एक बड़ी संकट को और गहरा कर रहा है। भू-राजनीतिक एक भीषण ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति

महफूज नहीं हैं, तो आम आदमी की जमीन सुरक्षित कैसे है ? मूल फाइल गायब करने वाले बाबू और अधिकारियों पर अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई ?

‘

वया हम फांसी लगा लें, तब प्रशासन सुनेगा ? ‘

जनसुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट का माहौल उस वक्त सिहर उठा, जब एक महिला का दर्द आंसुओं का सैलाब बनकर फूट पड़ा। पिछले एक साल से अपने खेत और ढहे मकान को दबंगों के कब्जे से छुड़ाने की गुहार लगा रही इस मां की बेबसी सीधे तौर पर पुलिस और प्रशासन के मुंह पर तमाचा है।

‘हम भागते जा रहे हैं, हमारी कोई सुनवाई नहीं होती। वो खेत में जानवर छोड़ देते हैं, पानी

पीड़ित महिला यह सिर्फ एक महिला का दर्द नहीं है। इसी जनसुनवाई में पहाड़ी गांव के ग्रामीण चीखते रहे कि उनकी स्कूल की जमीन को कागजों में रमशान बना दिया गया, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं। 120 किलोमीटर दूर से आए बीसलपुर विस्थापितों का दर्द आज भी वैसा ही है— सालों पहले अवाढ़ जारी हो गए, लेकिन जमीन का एक टुकड़ा नहीं मिला।

विधायक का कबूलनामा और कलेक्ट्रेट का ‘भरोसा’ जनसुनवाई में 7 घंटे तक फरियादियों को सुनने के बाद कलेक्टर टीना डाबी ने 380 पीड़ित महिला यह सिर्फ एक महिला का दर्द नहीं है। इसी जनसुनवाई में पहाड़ी गांव के ग्रामीण चीखते रहे कि उनकी स्कूल की जमीन को कागजों में रमशान बना दिया गया, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं। 120 किलोमीटर दूर से आए बीसलपुर विस्थापितों का दर्द आज भी वैसा ही है— सालों पहले अवाढ़ जारी हो गए, लेकिन जमीन का एक टुकड़ा नहीं मिला।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते अब्बास अंसारी ने व्यांग करते हुए कहा कि एक कॉकरोच पार्टी आई है और वह सोच रहे हैं कि क्यों न उसी से चुनाव लड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इस काल्पनिक पार्टी के मुद्दे उन्हें काफी लोकप्रिय हो गया है। अब्बास अंसारी लंबे समय के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय नजर आए हैं। वह सबसे पहले

में अत्यधिक कमी आने की बात कही गई है। वर्तमान परिस्थितियों को देखें तो कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की आशंका इस डर को और पुख्ता कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रणनीतिक-जलमार्ग बाधित होता है, तो यातायात के साधनों में ठहराव आ सकता है। इस संकट का असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि एलपीजी और सीएनजी की कीमतों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। इसका सीधा असर आम आदमी की

मुकदमों के ‘गुणवत्तापूर्ण निस्तारण’ का दावा जरूर किया है, लेकिन पुरानी रसीदें लहराती जनता अब सिर्फ आश्वासनों से संतुष्ट नहीं है। जनसुनवाई से बाहर निकले देवली-उर्नियारा विधायक राजेंद्र गुजरं को जब आक्रोशित जनता ने घेरा, तो उन्हें भी सरेआम कबूल करना पड़ा कि— ‘निचले स्तर पर समस्याओं का निस्तारण सही तरीके से नहीं हो रहा है। ‘

सिर्फ तारीखें नहीं, अब जवाबदेही तय हो !

यह रिपोर्ट केवल एक दिन की जनसुनवाई का लेखा-जोखा नहीं है। यह राजस्थान सरकार, राजस्व मंत्री और जिला प्रशासन के लिए एक खुली चेतावनी है।

1. अगर गांव के पटवारी, ग्राम सेवक और तहसीलदार अपना काम ईमानदारी से कर रहे होते, तो ग्रामीणों को 120 किलोमीटर का सफर तय कर कलेक्ट्रेट में आंसू नहीं बहाने पड़ते। 2. ‘गायब मिसल’ का मामला प्रशासन की घोर लापरवाही और संभावित मिलीभगत का ओर इशारा करता है। इसकी उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों को जेल भेजा जाना चाहिए।

टोंक की जनता अब ‘फाइलों के डिस्पोजल’ का खोखला आश्वासन नहीं, जमीन पर ‘एक्शन’ चाहती है। अगर प्रशासन अब भी नहीं जागा, तो कलेक्ट्रेट में गूंज रही फांसी की धमकियां किसी दिन खौफनाक हकीकत में बदल सकती हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी से चुनाव लड़ने का मन है : अब्बास अंसारी

यहाँ इसका कोई कार्यालय खुला हो, तो उन्हें भी सदस्यता दिला दी जाए। दरअसल, अब्बास अंसारी ने जिस कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जिक्र किया, वह कोई वास्तविक राजनीतिक दल नहीं है। यह सोशल मीडिया पर शुरू हुआ एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान (डिजिटल मूवमेंट) है, जिसे विदेश में रहने वाले एक भारतीय युवक अभिजीत दिपके ने शुरू किया था। युवाओं के बीच यह अभियान बेहद कम समय में काफी लोकप्रिय हो गया है। अब्बास अंसारी लंबे समय के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय नजर आए हैं। वह सबसे पहले

पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने एएसपी कमलेश बहादुर से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट के अदेश की प्रति सीपी और जिला प्रशासन को अपने क्षेत्र भ्रमण की जानकारी दी। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी के कार्यालय पहुंचे और जिलाध्यक्ष दुधनाथ यादव व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ करीब एक घंटे तक बैठक की। अब्बास अंसारी ने स्पष्ट किया कि अब वह अपने विधासभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही क्षेत्र में उनकी यह सक्रियता अचानक बढ़ गई है।

रसीदें के बजट पर पड़ रहा है। कई देशों में डीजल के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं, वहीं खबों और होटलों में जरूरत के मुताबिक गैस सिलेंडर न मिलने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। विश्लेषकों का कहना है कि जब तक ईरान-अमेरिका संघर्ष पर विराम नहीं लगता, तब तक वैश्विक रसवाई चैन का सामनाय होना मुश्किल है। हालांकि, बाबा वेंगा की इन भविष्यवाणियों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियां इस संकट को हकीकत में बदलती हुई दिखा रही हैं।

थिरुवनचूर राधाकृष्णन चुने गए केरल विधानसभा के स्पीकर, सभी दलों ने दी बधाई

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। सात बार के कांग्रेस विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को शुक्रवार को केरल विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। यह चुनाव एक ऐतिहासिक त्रिकोणीय मुकाबले के बाद हुआ, जिसने राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों को उजागर किया। केरल विधानसभा के स्पीकर पद के चुनाव में पहली बार ऐसा हुआ है कि सदन में प्रतिनिधित्व करने वाले तीनों राजनीतिक गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। सतारुद्ध यूडीएफ ने अनुभवी विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया जबकि वाम मोर्चे ने पूर्व मंत्री एसी मोइदीन को मैदान में उतारा और एनडीए ने अपने तीन सदस्यीय दल के सदस्य बीबी गोपकुमार को प्रत्याशी बनाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोटेम स्पीकर जी सुधाकरण ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका निभाई और मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कुल 139 विधायकों ने मतदान किया। परिणाम घोषित करते हुए उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन को 101 वोट मिले, मोइदीन को 35 और गोपकुमार को 3 वोट मिले। घोषणा के बाद जयदल में जोरदार मेज-थपथाई गई और दलों के सदस्य उन्हें बधाई देने आगे आए। एक प्रतीकात्मक और संसदीय परंपरा को दर्शाने वाले दृश्य में सीएमए वीडी सतीशान और विपक्ष के नेता पिनरारी विजयन ने संयुक्त रूप से नए स्पीकर को उनकी कुर्सी तक पहुंचाया। सीएम सतीशान ने उन्हें विनम्र और परिपक्व व्यवहार वाला आदर्श नेता बताते हुए कहा कि वे पहले छात्र आंदोलन के दिनों में भी उनके लिए नारे लगाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि राधाकृष्णन ने करीब 17 विभाग संभाले हैं और अपने क्षेत्र के विकास पर लगातार ध्यान दिया है। विजयन ने भी उनके लंबे संसदीय और सार्वजनिक जीवन के अनुभव की तारीफ की और विश्वास जताया कि वे अपनी नई जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाएंगे।



फुजियामा पावर सिस्टम्स रतलाम में लगाएगी 1.2 गीगावाट का सौर सेल संयंत्र

नई दिल्ली ।

फुजियामा पावर सिस्टम्स मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट का टॉपकॉन सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। कंपनी उत्तर प्रदेश के दादरी संयंत्र में एक गीगावाट की मोनो पीईआरसी सौर सेल विनिर्माण सुविधा संचालित करती है। फुजियामा पावर सिस्टम्स ने शुक्रवार को कहा कि रतलाम में 1.2 गीगावाट टॉपकॉन क्षमता जुड़ने के साथ कंपनी सौर मूल्य श्रृंखला में अपनी एकीकृत विनिर्माण क्षमताओं को काफी मजबूत करेगी। रतलाम टॉपकॉन संयंत्र का वाणिज्यिक संचालन वित्त वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही से शुरू होने की उम्मीद है। इस परियोजना के लिए अनुमानित निवेश 350 करोड़ रुपये है, जिसे ऋण एवं अतिरिक्त संसाधनों के संयोजन से वित्तपोषित किया जाएगा। कंपनी के एक अ धिकारी ने कहा कि यह विस्तार हमारी एकीकरण क्षमता को मजबूत करता है, लागत नियंत्रण को बेहतर बनाता है और डीसीआर-अनुपालन सौर सेल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करता है। फुजियामा पावर सिस्टम्स रूफटॉप सौर समाधान प्रदान करने वाली एक प्रमुख कंपनी है। इसका कारोबार सौर पैनल, इन्वर्टर, लिथियम व ट्यूबलर बैटरी, चार्जर तथा पावर-इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के विस्तृत खंड में फैला है।

सेंट्रल बैंक में सरकार का विनिवेश, 2455 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ।

सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपनी हिस्सेदारी घटाने जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बैंक में कुल 8 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेची जाएगी। शुरुआत में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची जाएगी, जबकि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त 4 प्रतिशत हिस्सेदारी ग्रीन शू विकल्प के तहत उतारी जा सकेगी। शुक्रवार को बड़े और संस्थागत निवेशक बोली लगा सकेगे, वहीं खुदरा निवेशकों के लिए बोली सोमवार को खुलेगी। फिलहाल बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 89.27 प्रतिशत है। अगर पूरी 8 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक जाती है, तो सरकार को करीब 2,455 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। यह कदम बाजार में पब्लिक शेयरहोल्डिंग बढ़ाने और विनिवेश से राजस्व जुटाने की सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

भारत के असंगठित क्षेत्र में रोजगार पहली बार 15 करोड़ के पार

सेवा क्षेत्र और ग्रामीण इलाकों की अगुवाई में रोजगार में 15.51 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी तिमाही बुलेटिन के अनुसार, भारत के असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार ने जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में पहली बार 15 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यह पिछले वर्ष की स्थितिमाही के मुकाबले 15.51 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है, जो 13.13 करोड़ से बढ़कर 15.17 करोड़ हो गया है। एएएसओ ने इस वृद्धि को क्षेत्र में स्वस्थ श्रम बाजार और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के लोगों के लिए रोजगार के प्रमुख स्रोत के रूप में बताया है। एनएसओ के तिमाही बुलेटिन के मुताबिक अनुमानित प्रतिष्ठानों की संख्या 16.7 प्रतिशत बढ़कर 9.16 करोड़ हो गई। यह विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से मजबूत रहा, जहां प्रतिष्ठानों में सालाना 20.46 प्रतिशत और रोजगार में 21.65 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो शहरी क्षेत्रों (क्रमशः 12.59 और 10.39 फीसदी) की तुलना में काफी अधिक है। सेवा क्षेत्र इस वृद्धि का मुख्य चालक रहा, जहां प्रतिष्ठानों में 24.82 प्रतिशत और रोजगार में 31.13 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह असंगठित अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता खंड बन गया। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार में 10 फीसदी की वृद्धि देखी गई, जबकि व्यापार क्षेत्र में 2.2 फीसदी की वृद्धि हुई। कुल कार्यबल में वर्किंग ओएस का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी बढ़कर 60.97 फीसदी हो गई। महिला श्रमिकों का इस क्षेत्र के कुल रोजगार में लगभग 29 फीसदी योगदान रहा। डिजिटल अपनाने में भी तेजी देखी गई, जहां 81 प्रतिशत प्रतिष्ठानों ने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इंटरनेट का उपयोग किया और समान प्रतिशत ने कैशलेस लेनदेन को अपनाया। इसके अतिरिक्त, औपचारिकता की दिशा में भी प्रगति हुई है, पंजीकृत प्रतिष्ठानों का हिस्सा एक साल पहले के 36.2 फीसदी से बढ़कर 41.37 फीसदी हो गया है, जो इस क्षेत्र में बढ़ती संरचनात्मक मजबूती को दर्शाता है।

रिलायंस पावर को जनवरी-मार्च तिमाही में 494 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली ।

रिलायंस पावर ने जनवरी-मार्च तिमाही में 494 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया है। कंपनी ने पिछले वर्ष की समान तिमाही में 125.57 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय घटकर 1,946.33 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,065.64 करोड़ रुपये थी। कंपनी को वित्त वर्ष 2025-26 में 336.89 करोड़ रुपये का घाटा हुआ जबकि 2024-25 में इसने 2,947.83

करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। वहीं कुल आय 8,257.04 करोड़ रुपये से घटकर 7,988.52 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत खरीदारों को शेयर व उससे जुड़े साधनों और/या अन्य पात्र प्रतिभूतियों के निर्गम के माध्यम से 6,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) और/या अनुवर्ती सार्वजनिक प्रस्ताव या दोनों के संयोजन के जरिये किया जाएगा।निदेशक मंडल ने 3,000 करोड़ रुपये तक के सुरक्षित/असुरक्षित, परिपक्व होने

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 231, निफ्टी 64 अंक उछला

मुम्बई ।
घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। इसके अलावा रुपये में आई मजबूती से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.99 अंक बढ़कर 75,415.35 अंक पर बंद हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64.60 अंक उछलकर 23,719.30 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व में एक फीसदी से अधिक तेजी आई। दूसरी ओर आईटीसी, पावरग्रिड, बीईएल, भारती एयरटेल, इन्फोसिस के शेयर गिरें हैं। निफ्टी के शेयरों में श्रीराम फाइनेंस और एक्सिस बैंक

में सबसे ज्यादा तेजी रही। ब्रॉड मार्केट में निफ्टी मिडकैप 0.14 फीसदी उछला जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.15 फीसदी गिरा। निजी निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी बैंक में तेजी रही जबकि निफ्टी फार्मा,निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मीडिया के शेयर टूटे। इससे पहले आज सुबह निफ्टी 127.40 अंक चढ़कर 23,786.65 पर पहुंच गया। वहीं, बीएसई सेंसेक्स 488.97 अंक उछलकर 75,681.20 के स्तर पर कारोबार

करता दिखा। हालांकि, मुख्य सूचकांकों में बढ़त के बावजूद, बाजार के व्यापक हिस्से में कमजोरी का माहौल देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.13 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.08 फीसदी की गिरावट रही। अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक वार्ताओं पर निवेशकों की करीबी नजर है, खासकर ऐसी रिपोर्ट्स के बाद कि ईरान अपने संबंधित यूरैनियम के भंडार को देश के भीतर ही रखने की योजना बना रहा है।

टीसीएस कर्मचारियों पर मेहरबान 80 प्रतिशत तक बोनस देकर दी बड़ी राहत

बेंगलुरु ।
जब कई बड़ी आईटी कंपनियां कर्मचारियों को बेहतर सैलरी हाइक देने से पीछे हट रही हैं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने मिड और टॉप लेवल के कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर दी है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) में वेरिएबल पेआउट को 80 प्रतिशत तक बढ़ाया है, जिससे हजारों कर्मचारियों की सैलरी में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। यह फैसला आईटी सेक्टर में मंदी के बाद कर्मचारियों के प्रदर्शन को पुस्कृत करने और उनका मनोबल बढ़ाने के मकसद से हुआ है। टीसीएस ने जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के लिए मिड और आला लेवल के कर्मचारियों को औसतन 60-80 प्रतिशत वेरिएबल पेआउट दिया है। यह

लगातार दूसरी तिमाही है जब कंपनी ने इतना उदार भुगतान किया है। पिछले करीब दो सालों से यह पेआउट 20-50 प्रतिशत के बीच ही रहा था, जिससे कर्मचारियों को काफी नुकसान हो रहा था। कई कर्मचारियों को अप्रैल की सैलरी के साथ यह अतिरिक्त राशि मिली है, जिससे उनके चेहरे पर खुशी लौट आई है।

हालांकि, यह पेआउट कंपनी की सख्त ऑफिस अटेंडेंस नीति से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि किसी कर्मचारी की ऑफिस अटेंडेंस 85 प्रतिशत से कम है, तब उस कर्मचारी को पूरा वेरिएबल पेमेंट नहीं मिलता। 75-85 प्रतिशत अटेंडेंस पर 75 प्रतिशत और 60-75 प्रतिशत अटेंडेंस पर केवल 50 प्रतिशत पेआउट दिया जाता है। 60 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले कर्मचारियों को, तब कोई बोनस

प्रेस्टीज एस्टेट्स का मुनाफा बढ़कर 250 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 10 गुना होकर 250.1 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा पिछले वर्ष की समान अवधि में 25 करोड़ रुपये था। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आय भी दोगुने से अधिक होकर 4,143.5 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,589.3 करोड़ रुपये थी।गत वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा दो गुना से अधिक होकर 1,195.5 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 467.5 करोड़ रुपये था। कुल आय 7,735.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,195.5 करोड़ रुपये हो गई। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।



नहीं मिलता। कंपनी ने अप्रैल 2024 से वित्त वर्ष 2025 के लिए सैलरी बढ़ोतरी भी शुरू की है, जिसमें औसत हाइक करीब 5 प्रतिशत रहा है। यह बढ़ोतरी परफॉर्मेंस बैंड के आधार पर अलग-अलग है, जहां ए प्लस बैंड को 9-13 प्रतिशत तक का हाइक मिला है।

कर्मचारियों का कहना है कि पिछले दो सालों में वेरिएबल पेमेंट कम होने से उन्हें 4-5 लाख रुपये का नुकसान हुआ था, लेकिन अब

इस अच्छे पेआउट से उन्हें कुछ राहत मिली है। टीसीएस के इस कदम से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और बेहतर परफॉर्मेंस के लिए उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा। कंपनी का यह फैसला आईटी सेक्टर की अन्य कंपनियों के लिए एक उदाहरण बन सकता है, जो कर्मचारियों की उत्पादकता और अटेंडेंस को बढ़ावा देगा। इस खबर पर टीसीएस ने फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आरबीआई जून से बढ़ाएगा ब्याज दरें, महंगे होंगे होम और कार लोन!

महंगाई और वैश्विक दबाव के चलते केंद्रीय बैंक पर बढ़ी चिंता

नई दिल्ली ।

बढ़ती महंगाई के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आपकी जेब पर एक और झटका देने की तैयारी में है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के अर्थशास्त्रियों ने भविष्यवाणी की है कि आरबीआई जून से ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना शुरू कर सकता है, जिससे आपको कार, होम और पर्सनल लोन की मासिक किस्त (ईएमआई) में इजाफा होगा। अर्थशास्त्रियों ने अपने नोट में कहा कि ईरान संकट के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से बढ़ती महंगाई के जोखिम को देखते हुए आरबीआई जून से ब्याज दरों में वृद्धि कर सकता है। अगस्त में एक और बढ़ोतरी संभव है। वैश्विक बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और अन्य एशियाई केंद्रीय बैंकों के फैसले से आरबीआई पर दबाव बढ़ रहा है। मौजूदा हालात में, आरबीआई रेपो दर में कुल 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर सकता है, जिसे जून और अगस्त के बीच बराबर बांटा जाएगा। हालांकि, यदि 3 जून की एमपीसी बैठक में वृद्धि नहीं हुई, तो अगस्त में एक साथ 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी हो सकती है। नोट में यह भी कहा गया है कि यदि कमीडिटी की कीमतों पर दबाव और कमजोर रुपये के कारण महंगाई उम्मीद से अधिक बढ़ती है, तो आरबीआई मार्च 2023 के अंत तक रेपो दर में 25 से 50 आधार अंकों की ओर वृद्धि कर सकता है।

वेदांता की इकाई तलवंडी साबो पावर पर 127 करोड़ का जुर्माना

अपीलीय विद्युत अधिकरण का फैसला रह, पीएसईआरसी का आदेश बहाल



नई दिल्ली ।
उच्चतम न्यायालय ने वेदांता लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) को पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को करीब 127 करोड़ रुपये और उस पर लागू विलंब भुगतान अधिभार का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह फैसला जनवरी 2017 में ग्रीड कोल के अनुसार उपलब्धता की गलत घोषणा से संबंधित एक मामले में आया है। वेदांता लिमिटेड ने शेयर बाजार को सूचित किया कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपीलीय विद्युत अधिकरण (एप्टेल) के उस फैसले को निरस्त कर दिया है, जिसने पहले टीएसपीएल को राहत दी थी। इसके बजाय, शीर्ष अदालत ने पंजाब राज्य विद्युत नियामक आयोग

(पीएसईआरसी) के मूल आदेश को बहाल कर दिया है, जिसमें टीएसपीएल पर जुर्माना लगाया गया था। यह आदेश जनवरी 2017 के लिए ग्रीड कोड के नियमों के तहत बिजली संचयन की उपलब्धता की गलत घोषणा के मामले से जुड़ा है। तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल), पंजाब के मानसा जिले के बनावाला में स्थित एक 1,980 मेगावाट की महत्वपूर्ण कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना है। यह अपनी 100 प्रतिशत बिजली पीएसपीसीएल को आपूर्ति करती है और बड़े पैमाने पर विश्वसनीय बिजली उत्पादन के जरिये पंजाब की लगभग 35 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कंपनी अब बकाया राशि और विलंब भुगतान अधिभार का भुगतान करेगी।

बीएसई ने चुनिंदा स्मॉलकैप शेयरों के सर्किट फिल्टर घटाए

असामान्य तेजी और कम लिक्विडिटी वाले शेयरों पर प्राइस कंटेनमेंट मेजर्स लागू

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता और चुनिंदा स्मॉलकैप शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव के मद्देनजर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने महत्वपूर्ण निगरानी उपाय किए हैं। 22 मई से एक्सचेंज ने कई कम लिक्विडिटी वाले शेयरों के सर्किट फिल्टर को कम कर दिया है और निवेशकों को ट्रेड-टू-ट्रेड सेगमेंट से जुड़े नियमों के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है। बीएसई के अनुसार यह कदम प्राइस कंटेनमेंट मेजर्स का हिस्सा है, जो उन शेयरों पर लागू होते हैं जहाँ असामान्य मूल्य वृद्धि, अत्यधिक सट्टेबाजी, कम तरलता या ट्रेडिंग वॉल्यूम में अचानक वृद्धि देखी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य शेयरों में अनियंत्रित तेजी या गिरावट को रोकना और खुदरा निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इन उपायों के तहत आटोलाइन इंडस्ट्रीज का प्राइस बैंड 20 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है, जबकि कैंडोर टीचेक्स का सर्किट 20 फीसदी से 10 फीसदी किया गया है। जेटमाल स्पाइसेस एंड मसाला, पार्ष्णाथ डेवलपर्स और शूरा डिजाइन जैसे शेयरों के लिए सर्किट फिल्टर को 5 फीसदी से घटाकर 2 फीसदी कर दिया गया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना ​​है कि सर्किट फिल्टर घटाने से शेयरों की दैनिक मूल्य सीमा सीमित हो जाती है, जिससे उनकी अत्यधिक वोलेटिलिटी पर नियंत्रण पाने में मदद मिलती है। यह कदम बाजार में स्थिरता लाने के लिए महत्वपूर्ण है।



मूमाक और जापान की अकिबा फार्म के बीच साझेदारी

भारत में प्रीमियम जेलाटो उत्पादों का विकास और डेयरी क्षेत्र में नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।
भारतीय डिजिटल डेयरी कंपनी मूमाक ने जापानी डेयरी दिग्गज अकिबा फार्म होल्डिंग्स के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में प्रीमियम जेलाटो उत्पादों का विकास करना और डेयरी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना है। यह समझौता मूमाक की भारत के 17 राज्यों के 42,000 से अधिक

गांवों तक फैली व्यापक प्रौद्योगिकी-आधारित दुग्ध आपूर्ति श्रृंखला को अकिबा फार्म होल्डिंग्स के 140 वर्षों के पारंपरिक जापानी डेयरी अनुभव के साथ एकीकृत करेगा। मूमाक के नेटवर्क से 35 लाख से अधिक पंजीकृत किसान जुड़े हैं। समझौते के तहत दोनों कंपनियों प्रीमियम डेयरी उत्पादों के लिए एक समर्पित नवाचार प्रयोगशाला स्थापित करेंगी, जो जापानी तकनी अवधारणा (कोशल में महारत) से प्रेरित

होगी। इसके अतिरिक्त, पशु पोषण और दूध उत्पादन में सुधार के लिए वैज्ञानिक रूप से तैयार की गई जापानी टोटल मिक्सड रेशन (टीएमआर) आधारित पशु आहार प्रणाली भी भारत में शुरू की जाएगी, जिसका विस्तार बाद में मूमाक के छोटे किसानों के नेटवर्क तक किया जाएगा। मूमाक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने इस साझेदारी को भारत के डिजिटल डेयरी तंत्र की बढ़ती ताकत और वैश्विक संभावनाओं



का प्रमाण बताया है। यह सहयोग दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश भारत (वार्षिक 24.8 करोड़ टन उत्पादन) के डेयरी उद्योग में नई ऊंचाइयों को छूने की उम्मीद जगाता है।

स्विगी को एओए में बदलाव करने नहीं मिली शेयरधारकों की मंजूरी

कंपनी गठन के कायदे-कानून में बदलाव को 72.35 फीसदी समर्थन मिला, जो आवश्यक सीमा से कम रहा



नई दिल्ली ।
ऑनलाइन खाद्य एवं पेय सामग्री आपूर्ति मंच स्विगी को खुद को भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रित कंपनी (आईओसीसी) के रूप में योग्य बनाने के लिए आवश्यक शेयरधारक मंजूरी नहीं मिल पाई है। कंपनी के गठन के कायदे-कानून (एओए) में संशोधन का प्रस्ताव अपेक्षित 75 प्रतिशत समर्थन से 2.65 प्रतिशत कम रहा, जिससे यह पारित नहीं हो सका। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार छलक मत्पत्र के माध्यम से की गई ई-वॉटिंग प्रक्रिया में यह प्रस्ताव आवश्यक सीमा से 2.65 प्रतिशत कम रहा। हालांकि, रेनन डी कास्त्रो आल्फ्रेस पिंटो को गैर-कार्यकारी, गैर-स्वतंत्र नामित निदेशक के रूप में नियुक्त करने का एक अन्य

प्रस्ताव 98.98 प्रतिशत भारी बहुमत से पारित हो गया। इस परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए स्विगी के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी इस निर्णय को स्वीकार करती है। उन्होंने पुष्टि की कि प्रस्तावित संशोधन भारतीय विदेशी मुद्रा कानूनों व विनियमों (फेमा) के तहत भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रित कंपनी (आईओसीसी) बनने के दीर्घकालिक प्रयास का हिस्सा थे, जो उनके लिए प्रारम्भिकता बनी रहेगी। कंपनी ने कहा है कि वह अपने शेयरधारकों के साथ संवाद जारी रखेगी और भविष्य में सकारात्मक परिणाम की दिशा में काम करेगी। आईओसीसी का दर्जा प्राप्त करने के लिए कंपनी में भारतीय निवासियों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक होना और नियामकीय मंजूरी मिलना आवश्यक है।



इंडिया में सरकार की 89.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो ग्रीनशू विकल्प के उपयोग के बाद घटकर 81.27 प्रतिशत रह जाएगी। 31 रुपये का यह न्यूनतम मूल्य गुगुराव को बीएसई पर शेयर के 33.91 रुपये के बंद भाव से 8.58

प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार पहले ही बैंक ऑफ महाराष्ट्र और इंडियन ओवरसीज बैंक से बिज्री पेशकश के जरिये क्रमशः 2,624 करोड़ रुपये और 1,419 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

19 दिन में खड़ी कर दी 57 मंजिला इमारत



57 मंजिला इमारत जिसमें 4000 ऑफिस और 800 अवासीय परिसर हैं, मात्र 19 दिनों में खड़ी कर दी गई। यानी हर रोज बिल्डिंग के 3 मंजिलों का निर्माण। है न हैरतअगेज !

चीन के चांगशा शहर में बनी इस बिल्डिंग को प्रीफैब कंस्ट्रक्शन फर्म ने बनाया है। फर्म द्वारा जारी एक वीडियो में यह बताया गया है कि कैसे उसने इतनी कम अवधि में इस बिल्डिंग का निर्माण किया। वीडियो में बताया गया है चीन के हुनान प्रांत में स्टील और कांच से बनी इस इमारत को मात्र 19 कार्यकारी दिनों में खड़ा किया गया।

फर्म के एक अधिकारी जियोझांग जेग ने बताया कि बिल्डिंग का निर्माण दो हिस्सों में किया गया। आधी इमारत का निर्माण सन 2014 में किया गया जबकि बाकी आधी इमारत का निर्माण इस साल के पहले दो महीनों में किया गया। जेग ने बताया कि उनके फर्म की योजना 97 मंजिला इमारत बनाने की थी लेकिन हवाई अड्डे से निकटता के कारण इसे घटाकर 57 मंजिला कर दिया गया। बिल्डर द्वारा इस बिल्डिंग के निर्माण में केवल 19 दिन खर्च किए गए। फर्म अब 220 मंजिला इमारत बनाने की योजना बना रही है। इस योजना को शुरू करने के लिए उसे सरकार की अनुमति का इंतजार है।

हवा में तैरता रेस्त्रां



जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक रेस्त्रां डिनर इन द स्काई थीम पर बनाया गया है। हवा में 150 फीट ऊपर तैरते हुए यहां मेहमानों को लजीज पकवान परोसा जाता है। इस रेस्त्रां को क्रेन से उठाया जाता है। इंटरनेशनल फोर्ब्स मैगजीन ने इसे दुनिया के 10 सबसे अनयूजुअल रेस्त्रां की सूची में शामिल किया है। यहां शरीर पर परोसते हैं खाना यहां खाना और स्वागत में होता है अपमान

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने बनाया सटीक विश्व का नक्शा

अमेरिका का यह 11 साल का बच्चा इंटरनेट जगत में सनसनी बना हुआ है। लोगों से ज्यादा न घुलने-मिलने वाला, अपने में खोया रहने वाला ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने अपने अध्यापकों और सहपाठियों को तब चकित कर दिया जब इसने अपने क्लास के व्हाइट बोर्ड पर कुछ ही मिनटों में विश्व का नक्शा बना डाला वह भी एकदम सटीक।

उसके सहपाठियों ने उसकी तस्वीर और नक्शा बनाते हुए उसकी वीडियो इंटरनेट पर शेयर की और यह पूरे विश्व में वायरल हो गई। 11 साल के इस बच्चे का पिता एक स्कूल में अध्यापक है और यह बच्चा ऑटिज्म की बीमारी से पीड़ित है। खास बात यह है कि इस बच्चे ने विश्व का न सिर्फ सटीक नक्शा बनाया बल्कि उसने



नक्शे में छोटे-छोटे देश और यहां तक कि उन छोटे आइलैंड को भी बनाया जिनपर नक्शा देखते वक्त अमूमन नजर भी नहीं जाती।

इस बच्चे की यह विलक्षण स्मरण शक्ति सचमुच हैरान करने वाली है। इससे पहले भी ऑटिज्म से पीड़ित एक ब्रिटिश कलाकार तब मशहूर हुआ था जब न्यूयॉर्क शहर के ऊपर से एक छोटे से हेलीकॉप्टर यात्रा के बाद उसने शहर की गगनचुंबी इमारतों की पैनारॉमिक व्यू वाली पेंटिंग बना डाली थी। स्टीफन विल्टशायर नामक इस कलाकार की पेंटिंग में गजब की सूक्ष्मता थी।



बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कांसिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीड़न से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, करियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।



मैं हर साल प्रथम श्रेणी में पास हुआ। कक्षा दस की बोर्ड परीक्षा के लिए तो मैंने ठान लिया था कि मैं अपनी मेहनत और लगन से कॉलेज में टॉप करूंगा। जब मेरा रिजल्ट इंटरनेट पर घोषित हुआ, तो मैं यह देखकर बेहद खुश हुआ कि मैंने 90 परसेंट अंक पाकर कॉलेज टॉप किया है। अब मुझे 11वीं कक्षा में एडमिशन लेना था। मैंने शुरू के पांच-छह दिन तो क्लास अटेंड की, इसके बाद क्लास ड्रॉप करने लगा। मुझे लगा जिस तरह हाईस्कूल में टॉप किया, उसी तरह 11वीं में भी कर लूंगा। 11वीं की परीक्षा का रिजल्ट आया, तो सभी बच्चे कॉलेज गए। प्रार्थना स्थल पर उन बच्चों के नाम घोषित किए जाते थे, जो कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आते थे। जब नाम घोषित हुए, तो कक्षा 11 में टॉप थ्री में मेरा नाम कहीं नहीं था। वहां सब हैरान थे। मैं चुपके से पंक्ति से बाहर निकला और घर आ गया। मैं समझ नहीं पा रहा था कि घर वालों से क्या कहूंगा। जो हमेशा प्रथम आता था, वह तीसरे स्थान पर भी नहीं था। पर मैंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। मेरे घर वालों ने मेरी हिम्मत बढ़ाई।



बच्चों के लिए ज्यादा डांट-फटकार ठीक नहीं

बचपन में जिन बच्चों को ज्यादा डराया तथा धमकाया जाता है, उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है और प्रौढ़ावस्था में इन बच्चों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ब्रिटेन के मनोचिकित्सकों के अनुसार जिन बच्चों को बचपन में ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है अथवा जिनके सहपाठी उन्हें पीटते हैं, तो ऐसे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य न केवल प्रभावित होता है, बल्कि 50 वर्ष की आयु में इन्हें अनेक दिक्कों का सामना करना पड़ता है। ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन के सायकिएट्री संस्थान के मनोचिकित्सक यू ताकीजावा की अगुवाई में किए गए इस अध्ययन की रिपोर्ट अमेरिकन जर्नल ऑफ सायकिएट्री में शुक्रवार को प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस संबंध में 40 वर्ष पूर्व कराए गए अध्ययन आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। इस अध्ययन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में 1958 में एक हफ्ते में जन्में 7,771 बच्चों को शामिल किया गया था। इन बच्चों के माता-पिता से पूछा गया था कि बचपन में उनके साथ घर में क्या बर्ताव होता था और कक्षा में सहपाठी उनके साथ क्या व्यवहार करते थे।

मनोबल रहे ऊंचा

12वीं के लिए फिर से मैंने कठिन परिश्रम किया और खूब पढ़ाई की। मेरी मेहनत और लगन रंग लाई। इसलिए दोस्तों, कभी किसी काम को छोटा या आसान नहीं समझना चाहिए कि तुम उसे छोड़ दो। वहीं, किसी काम को इतना मुश्किल भी नहीं समझना चाहिए कि तुम कर ही न सको। मनोबल एक बहुत बड़ा गुण है। पूरी लगन और मेहनत से किसी चीज को पाने की सोचो, तो वह जरूर मिलती है।



माता-पिता से यह जानकारी भी ली गई कि सात से 11 वर्ष की उम्र में क्या बच्चों को ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ा था। अब 50 वर्ष की उम्र में पहुंच चुके इन व्यक्तियों के अध्ययन से यह पता चला है कि उनमें अवसाद, तनाव और आत्महत्या करने जैसी प्रवृति अधिक देखने को मिली। ये सामाजिक रूप से भी अलग-थलग पाए गए हैं। सायकिएट्री संस्थान की मनोचिकित्सक लुईस आर्सेनल्ट का कहना है कि अब आप अपने दिमाग से यह धारणा निकाल दीजिए कि बच्चों को बचपन में ज्यादा डांटना या फटकारना जरूरी होता है। शिक्षकों, माता-पिता और नीति निर्माताओं को इस बात से वाकिफ होना चाहिए कि बचपन में स्कूल अथवा घर में बच्चों के साथ जो व्यवहार होता है उसके परिणाम बहुत बाद में दिखाई देते हैं।



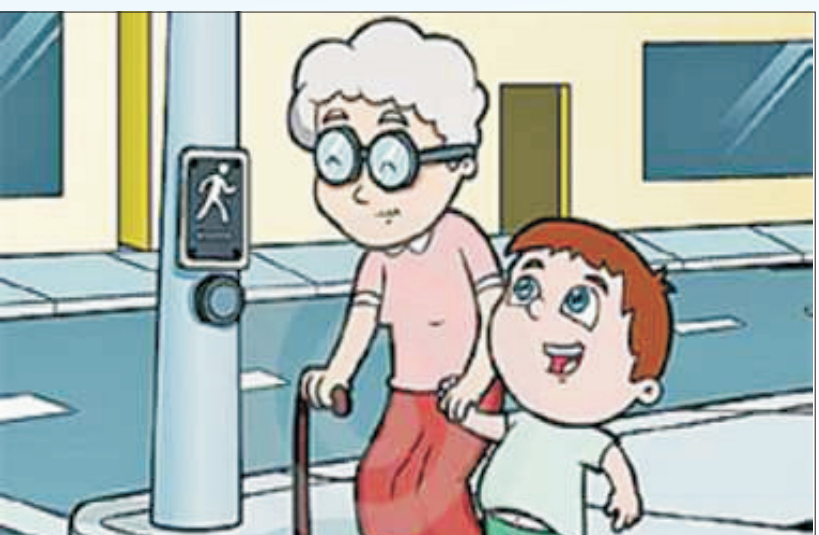
मेहनत से मिली जीत



बात अगस्त 2013 की है। करीब एक महीने से मुझे बुखार आ रहा था। मेरी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और करीब चार महीने अगस्त से नवंबर तक बिस्तर से उठ नहीं पाई। मैं पूरे पांच महीने तक पढ़ नहीं सकी। छठे महीने में जब स्कूल पहुंची तो मैं बहुत घबराई हुई थी, क्योंकि कोर्स में बहुत ज्यादा पिछड़ चुकी थी। मैं अपने सर के पास जाकर रोने लगी और कहने लगी कि मैं इस साल बोर्ड की परीक्षा नहीं दे पाऊंगी। मेरा एक साल बेकार हो जाएगा। लेकिन मेरे सर ने मुझे ढाढस बंधाया और खूब मेहनत करने की सलाह दी। मेरे मम्मी-पापा ने भी मेरा हौसला बढ़ाया। अखिरकार मैंने पढ़ाई शुरू कर दी। इसमें मेरे प्रिंसिपल सर, मैथ्स टीचर, मेरे पैरेंट्स और मेरी दादी ने मेरा हौसला तो बढ़ाया ही, उन्होंने मदद भी की। सबकी सलाह पर मैंने हू-ब-हू अमल किया। पूरा कोर्स पढ़ने की बजाय मेन-मेन पॉइंट्स पर फोकस किया। मेरे पैरेंट्स ने कोचिंग लगा दी। पापा गेस पेपर्स लेकर आए, जिनकी मदद से मैंने खूब प्रैक्टिस की। इस बीच मम्मी मेरा पूरा ख्याल रखती थीं। जनवरी-फरवरी, दो महीनों में मैंने कठिन परिश्रम किया और मार्च में दसवीं बोर्ड की परीक्षा दी। मेरे पेपर अच्छे हुए और परिणाम 80.16 परसेंट रहा। सचमुच, मेहनत करना खाली कभी नहीं जाता।

मदद करने से मिलती है खुशी

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूँ। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। %अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा।% एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये





सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी पंजाब

लखनऊ। आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने अंतिम लीग मैच में पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपनी प्रतिष्ठा बचाना रहेगा। सुपरजायंट्स इस सत्र में अभी अंतिम स्थान पर है और उसके केवल 8 अंक है। ऐमें उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पंजाब के खेल को बिगाड़ना रहेगा। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स टीम किस भी हाल में ये मैच बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। अभी पंजाब के अभी 13 अंक हैं और वह अगर ये मैच जीतती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे। टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं होगा क्योंकि पिछले छह मैचों से मिली हार से उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इसके अलावा टीम पर अतिरिक्त दबाव भी रहेगा। वहीं सुपर जायंट्स पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है ऐसे में वह निडर होकर आक्रामक अंदाज में उतरेगी जिसको देखते हुए पंजाब को सावधान रहना होगा। पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा प्रियांश आर्य, प्रभसिंमन सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की

कप्तान अर्शदीप सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन के पास रहेगी। दूसरी ओर सुपरजायंट की बल्लेबाजी मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कप्तान प्रिंस यादव , शाहबाज अहमद के पास रहेगी अंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनों ही टीमों के बीच 7 मैच हुए हैं जिसमें से लखनऊ सुपर जायंट्स ने 3 जबकि पंजाब किंग्स ने 4 मैच जीते हैं। ऐसे में दोनों ही टीमों जीत के लिए बराबर की दावेदार नजर आती हैं पर जिस प्रकार से सुपर जायंट्स ने हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को भी हराया था उससे प्रेरित होकर टीम का लक्ष्य इस प्रदर्शन को फिर दोहराना रहेगा। ऐसे में पंजाब को विशेष रुप से सतर्क रहना होगा। दोनों ही टीमों इस प्रकार हैं – लखनऊ सुपर जाईंट्स = ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आयुष बडोनी, मैथ्यू बीटुंजके, हिम्मत सिंह, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिवेश सिंह राठी, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक



नोर्किया, जोश इंग्लिस, मोहसिन खान, नमन तिवारी, आकाश महाराज सिंह, मुकुल चौधरी, मणिमार्न सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, अक्षत रघुवंशी। पंजाब किंग्स -श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिंमन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वदेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्याश शेंडो, अर्शदीप सिंह, जेवियर बाटलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, पाइला अविनाश, यश ठाकुर, हरनूर सिंह, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

सीएसके के अंशुल कंबोज के नाम दर्ज हुआ सबसे अधिक छक्के खाने का अनचाहा रिकार्ड

अहमदाबाद ।

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में शुरुआत से ही शानदार गेंदबाजी की पर अंतिम तीन मैसों में खराब प्रदर्शन के कारण उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हुए मैच में अंशुल की गेंदों पर चार छक्के लगे। इसी के साथ ही कंबोज के नाम एक आईपीएल सत्र में सबसे ज्यादा छक्के खाने का रिकार्ड दर्ज हो गया।

इस सत्र में अंशुल ने सीएसके की ओर से कुल 14 लीग मैच खेले और हैरानी की बात है कि इन मैचों में उनपर कुल 34 छक्के लगे। इससे पहले, एक आईपीएल

सत्र में सबसे ज्यादा छक्के खाने का रिकार्ड स्पिन राशिद खान के नाम था, जिनके खिलाफ आईपीएल 2025 में 33 छक्के लगे थे।

अंशुल ने हालांकि इस सत्र में अच्छी शुरुआत करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में बनाये रखा। इसी कारण वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भी शामिल रहे। सटीक यॉर्कर और विकेट लेने की क्षमता से वह सीएसके के मुख्य गेंदबाज बनकर उभरे हैं।

उनकी खराब फॉर्म का एक सबसे बड़ा उदाहरण सीएसके के 12वें लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ देखने को मिला था। उस मैच में लखनऊ के बल्लेबाजों ने अंशुल के खिलाफ आठ छक्के लगाए थे, जो एक आईपीएल मैच में किसी भी



गेंदबाज द्वारा खाए गए सबसे ज्यादा छक्कों का रिकार्ड है।

छक्कों के इस रिकार्ड के अलावा, अंशुल ने आईपीएल 2026 में कुल 530 रन भी दिये। इससे वह इस साल के आईपीएल में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। हालांकि, यह आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन लुटाने

का ऑल-टाइम रिकार्ड नहीं है। वह रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के पेट कर्मिस के नाम है, जिन्होंने आईपीएल 2024 के 16 मैचों में कुल 566 रन दिए थे। इस सूची में उनके बाद तुषार देशपांडे के नाम हैं। तुषार ने आईपीएल 2023 में 564 रन दिये जबकि राशिद खान ने 2023 में 552 रन दिये थे।

विनेश मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को लगायी फटकार

केंद्र सरकार को विशेषज्ञ कमेटी बनाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के फैसले को लेकर उसे कड़ी फटकार लगायी है। वहीं कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह विनेश के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाकर उनका मूल्यांकन करे और आगामी एशियन गेम्स के चयन ट्रायल में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करे। विनेश मैटर्निटी ब्रेक के बाद खेल में वापसी कर रही है। वहीं डब्ल्यूएफआई ने विनेश को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित करते हुए कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें उन पर नृशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चार सवालों के जवाब मांगे थे। इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई ने विनेश के किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में शामिल होने पर 26 जून, 2026 तक रोक लगा दी थी। डब्ल्यूएफआई के इस फैसले के कारण से विनेश नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले सकी थी। विनेश ट्रायल की अनुमति मांगने के लिए डब्ल्यूएफआई के पास पहुंची थीं, लेकिन उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई ने विनेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के ट्रायल में शामिल होने की अपील यह कहकर ठुकरा दी थी कि उनके खिलाफ वाड़ा के 5.6.1 नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई चल रही है। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, इस नियम के मुताबिक संन्यास से वापसी कर रहे खिलाड़ियों को किसी भी टूर्नामेंट में खेलने से पहले कम से कम छह महीने तक का नोटिस पूरा करना जरूरी होता है।इसके बाद विनेश ने कोर्ट में अपील की जिसमें कहा गया था कि एशियन गेम्स के लिए 30 और 31 मई को होने वाले ट्रायल में शामिल होने की उन्हें अनुमति दी जाये। उसी के बाद कोर्ट का ये फैसला आया है।



शुभमन ने तीसरी बार आईपीएल में 600 से अधिक रनों के साथ बनाया रिकार्ड

अहमदाबाद ।

गुजरात टाइटन्स की कप्तानी करते हुए शुभमन लिल ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 600 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह तीन बार इस टूर्नामेंट में ये अहम उपलब्धि हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने अपने करियर में तीसरी बार और कप्तान के रूप में दूसरी बार यह 600 से अधिक रन किसी एक सत्र में बनाये। इसी के साथ ही शुभमन आईपीएल इतिहास में चौथे ऐसे कप्तान बने हैं जिन्होंने एक सत्र में 600 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने 2025 सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं शुभमन ने करियर में तीसरी बार 600 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में 890 रन बनाए थे, जो एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाये दूसरे सबसे ज्यादा रन हैं। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही शुभमन कप्तान के रूप में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली ने साल 2013 में एक बार उपलब्धि हासिल की थी। तब कोहली भी सबसे कम उम्र में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन सीजन बनाने वाले खिलाड़ी थे। दिग्वज कोहली ने साल 2016 में अपने करियर में दूसरी बार 600 रन से अधिक बनाये थे। वहीं डेविड वॉर्नर एकमात्र अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार सत्र में कप्तान रहते हुए 600 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल बोले, आईपीएल में बिहार की भी टीम हो

मुम्बई । देश के बड़े उद्योगपति और वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने कहा है कि बिहार में इतनी प्रतिभाएं हैं कि आईपीएल में उसकी एक टीम तक बन जाये। इससे अब आईपीएल में बिहार से भी एक टीम लाने की मांग उठने लगी है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि बिहार में क्रिकेट की आपार प्रतिभाएं हैं बस उन्हें पहचान के लिए एक मंच मिलना चाहिए। उनके इस बयान के बाद राज्य भर के क्रिकेट प्रेमियों और खेल जगत में उत्साह और चर्चा का माहौल है कि क्या आने वाले समय में बिहार की अपनी एक आईपीएल टीम देखने को मिलेगी।

मूल रूप से बिहार के रहने वाले अनिल अग्रवाल का अपने गृह राज्य से गहरा जुड़ाव हमेशा बना रहता है। वे अक्सर ही बिहार की तारीफ करते हैं और यहां के युवाओं की प्रतिभा का जिक्र करते रहते हैं। उनका यह नया बयान इसी जुड़ाव और राज्य के प्रति उनकी भावनाओं को दिखाता है। अपने पोस्ट में अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमों अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं, उसी तरह बिहार की भी एक मजबूत और प्रतिष्ठित आईपीएल टीम होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि बिहार ने देश को कई

बेहतरीन क्रिकेटर दिए हैं, लेकिन फिर भी राज्य को क्रिकेट में वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसका वह अधिकारी है। उन्होंने बिहार में मौजूद क्रिकेट प्रतिभा को सामने लाने के लिए एक बड़े मंच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बिहार के कुछ असाधारण खिलाड़ियों का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। पटना में जन्मे ईशान किशन ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर विश्व रिकार्ड बनाया। समस्तीपुर के युवा बैभव सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं, जबकि

गोपालगंज के साकिब हुसैन अपनी शानदार गेंदबाजी से सबका ध्यान खींच रहे हैं। अग्रवाल ने इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों को बिहार में मौजूद असीमित प्रतिभा का प्रमाण बताया, जो केवल सही अवसर और मंच का इंतजार कर रही है। अनिल अग्रवाल ने कहा कि उनका सपना है कि बिहार के युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिले। उन्होंने विश्वास जताया कि अगर बिहार के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और आधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाए, तो यहां की टीम दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक बन सकती है।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर ।

शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबर की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था।

कार्टर फाइनल मुकाबले में हारें अश्विंता चालिहा मलेशिया मास्टर्स में भारत की चुनौती समाप्त

कुआलालंपुर ।

भारतीय शटलर अश्विंता चालिहा का मलेशिया मास्टर्स में अभियान शुक्रवार को हार के साथ समाप्त हो गया। अश्विंता को महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की पूर्व यूरोपियन गेम्स चैंपियन लाइन् केंयर्सफेल्ड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अश्विंता के बाहर होने के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी खत्म हो गई। बैडमिंटन रैंकिंग में 71वें नंबर पर मौजूद अश्विंता ने पहला गेम जीता, लेकिन आखिर में 23वें नंबर की विरोधी खिलाड़ी से 61 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 18-21, 11-21 से हार गई। भारतीय युवा खिलाड़ी ने

अच्छी शुरुआत की और गेम के बीच में 11-6 की बढ़त बना ली।

23वीं रैंक वाली केयर्सफेल्ड की जबर्दस्त वापसी की और स्कोर को 17-17 से बराबर कर दिया। हालांकि, अश्विंता ने अपना दमखम दिखाया और पहला गेम 23-21 से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में 10-5 की बढ़त बनाने के बाद अश्विंता लगातार गेम जीतने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रही थीं। हालांकि, केयर्सफेल्ड ने मैच का मोमेंटम बदल दिया, और ब्रेक तक अंतर 11-10 कर दिया। दोबारा गेम शुरू होने पर, केयर्सफेल्ड ने स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। फिर उन्होंने चार पॉइंट की स्ट्रोक के साथ 18-15 की बढ़त बनाई और आखिर में गेम 21-18 से जीतकर



अश्विंता को निर्णायक गेम खेलने पर मजबूर कर दिया।

आखिरी गेम 4-4 से बराबरी पर शुरू हुआ, फिर केयर्सफेल्ड ने मैच में पूरा कंट्रोल कर लिया, और 13-6 की बढ़त

बना ली। अश्विंता संभल नहीं पाई, और केयर्सफेल्ड ने आराम से मैच जीतकर निर्णायक सेट 21-11 से अपने नाम कर लिया, जिससे कुआलालंपुर में भारत का अभियान खत्म हो गया।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर (ईएमएस)। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबर की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था। बाबर के अलावा टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज हारिस रऊफ, प्रतिभाशाली नसीम शाह, उपकप्तान शादाब खान और सुर्फयान मोकीम को भी टीम में जगह दी



गयी है। ये सभी भी बांग्लादेश सीरीज में शामिल नहीं थे। चयनकर्ताओं ने टीम में तीन नए खिलाड़ियों को भी अवसर दिया है, जिनमें अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास और रोहेल नजीर हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण का मौका मिल सकता है। वहीं बांग्लादेश सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सलमान अली आगा, अब्दुल समद, अबरार अहमद, माज सादाकत, मुहम्मद गाजी घोरी, साहिबजादा फरहान और शमायल हुसैन जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में जगह मिली है। , टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मुहम्मद गाजी घोरी और नये खिलाड़ी रोहेल नजीर को दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस अय्यर की तस्वीर रूसी इंफ्लुएंसर के साथ देखकर प्रशंसक हुए हैरान

मुम्बई ।

आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम का प्रदर्शन अच्छी शुरुआत के बाद खराब हुआ है और वह प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए 7 में से 6 मैच जीते थे पर इसके बाद टीम प्रदर्शन खराब हुआ तो उसने रुकने का नाम नहीं लिया। उसे पिछले 6 लगातार मैच में लगातार हार मिली है। जिससे अब टीम प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके लिए टीम को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच हर हाल में जीतना है। वहीं इसी बीच कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर एक पेज चलाने वाली लड़की के साथ देखकर प्रशंसक हैरान हुए हैं और जानना चाहते हैं कि ये लड़की कौन है। ये तस्वीर धर्मशाला में ली गई है, जहां अपने पिछले मुकाबले में 17 मई को पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेला था। वहीं ये लड़की इंडोस्वेटिका नाम से सोशल मीडिया पेज चलाती है और एक रूसी टैवल कंटेंट क्रिएटर और इंफ्लुएंसर है। उसका असली नाम स्वेतलाना है और वह भारत में ही रहती है और भारतीय संस्कृति, ट्रेंडल, खाने-पीने, रोजमर्रा की ज़िंदगी और ह्यूमर में वीडियो बनाती हैं। उसके पेज का नाम इंडोस्वेटिका- है। वह रूस और भारत के बीच तुलना वाले विषय जैसे चाय, कीमतें, संस्कृति, यात्रा पर बनाती हैं। आईपीएल में वह पंजाब किंग्स का समर्थन करती दिखती हैं। उसने धर्मशाला में कई वीडियो बनाए हैं। इसको उनके इंस्टाग्राम पेज पर देखा जा सकता है। स्वेता की पेज पर 5 हजार फॉलोअर्स हैं। इसलिए श्रेयस की तस्वीर ऐसा लगता है कि यह सिर्फ एक प्रशंसक के तौर पर ली गई तस्वीर है हालांकि प्रशंसक इस तस्वीर को देखकर उत्साहित जरूर हैं।

शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर लगाया गंभीर आरोप

मुम्बइ ।

पूर्व स्पिनर एल. शिवरामकृष्णन ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। शिवरामकृष्णन ने कहा है कि कुछ साल पहले अपने बड़े भाई के अंतिम संस्कार लिए वह घर लौटे थे पर कुछ ही समय के बाद उन्हें वापस लौटने को कहा गया था। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया पर कहा कि तब उनके पास बीसीसीआई के एक अधिकारी का फोन आया। अधिकारी ने उनसे पूछा, अब जब अंतिम संस्कार हो गया है तो क्या आप अगली उड़ान से मोहल्ली में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच की कमेंट्री करने आ सकते हैं? शिवरामकृष्णन ने कहा कि इस कठिन समय में भी उन्होंने अपने काम को महत्व दिया और वह मैच के लिए वापस लौटे। इस खिलाड़ी ने कहा कि इसके बाद भी उनको पर्याप्त सम्मान नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने एक और दुखद घटना का जिक्र किया और कहा कि पुणे में जब वह कमेंट्री कर रहे थे तो उनकी माँ का निधन हो गया था। इसके बाद भी वह काम पूरा होने पर ही घर गये थे। शिवरामकृष्णन का कहना है कि इन बलिदानों और समर्पण भाव के बाद भी उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया और कभी भी पर्याप्त अवसर नहीं दिए गए। गौरवार् है कि इससे पहले शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर भेदभाव का आरोप लगाया था। साथ ही कहा था कि उन्हें काले रंग के कारण भेदभाव का शिकार होना पड़ा था। इसी कारण से उन्होंने परेशान होकर हाल में कमेंट्री कसे भी संन्यास ले लिया था। शिवरामकृष्णन ने अपने करियर में साल 1983 से 1987 के बीच भारतीय टीम के लिए 9 टेस्ट और 16 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच खेले, जिसमें कुल 41 विकेट हासिल किए। बाद में वह दशक तक कमेंट्री करते रहे। शिवरामकृष्णन ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्होंने अपने जीवन भर रंगभेद का सामना किया है और अब वे इसके आदी हो चुके हैं।

शराब छोड़ने के बाद बदली मेरी जिंदगी चहल

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले काफी समय से खराब दौर से गुजर रहे हैं। इस दौरान उनकी निजी जिंदगी में भी उथल-पुथल रही है। इसी को लेकर चहल ने खुलासा किया है। कि शीराब छोड़ने के उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है और वह पहले से बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि शराब छोड़ने का फैसला उनके लिए सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ है। इसके कारण वह अक्सर से उबरने में भी सफल रहे हैं। चहल ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला है। शराब को अपनी जिंदगी से हटाने के बाद मैं कह सकता हूं कि मेरा जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताता हूं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव ने उन्हें जीवन में और अधिक स्पष्टता दी है। अब मुझे अपनी लाइफ में क्या चल रहा है, कौन मेरे साथ है, और कौन नहीं, यह सब और ज्यादा साफ समझ आता है। पहले मैं इन सब चीजों के बारे में बहुत सोचता था, लेकिन अब मैं अपने पर ध्यान देता हूं। साथ ही कहा कि यह फैसला उन्होंने तब लिया जब उन्हें एहसास हुआ कि शराब उनके लिए सही नहीं थी और वह लिमिट से बाहर जा चुके थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उस वक्त वह अवसाद में थे और उनकी मानसिक सेहतम भी ठीक नहीं थी। चहल ने माना है कि इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि उन्हें वापस जाकर इस समस्या को ठीक करना चाहिए।शराब छोड़ने के बाद अब वह गोल्फ और गो-कार्टिंग जैसे खेलों में भी समय बिताते हैं। आईपीएल के वर्तमान सत्र में चहल ने पंजाब किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हुए 13 मैचों में 10 विकेट लिए हैं।





घोस्ट डायरेक्टिंग पर बोले आमिर खान

आमिर खान को बॉलीवुड का 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है। फिल्मों में उनकी गहरी दिलचस्पी और हर छोटी-बड़ी चीज पर ध्यान देने की आदत की वजह से अक्सर ऐसी अफवाहें उड़ती रही हैं कि वह अपनी फिल्मों को पर्दे के पीछे से खुद डायरेक्ट करते हैं। लेकिन अब आमिर खान ने इन सभी खबरों पर खुलकर जवाब दिया है। हाल ही में स्क्रीन एकेडमी अवॉर्ड के दौरान आमिर खान ने साफ कहा कि अपने 38 साल के करियर में उन्होंने सिर्फ एक ही फिल्म डायरेक्ट की है और वह 'तारे जमीन पर' है। बाकी फिल्मों को लेकर जो 'घोस्ट डायरेक्टिंग' की बातें होती हैं, वह पूरी तरह गलत हैं। आमिर ने कहा, 'मीडिया ने हमेशा कहा कि मैं फिल्मों को पर्दे के पीछे से डायरेक्ट करता हूँ। लेकिन ऐसा क्यों करूंगा मैं? अगर मैं इतना अच्छा काम कर रहा हूँ तो किसी और का नाम क्यों दूंगा? क्या मुझे पागल कुत्ते ने काटा है?' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपने करियर में कई शानदार डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। आमिर का मानना है कि हर निर्देशक अपनी अलग सोच और स्टाइल लेकर आता है और यही वजह है कि उनकी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दिखाई देती हैं। आमिर ने उदाहरण देते हुए कहा कि 'लगान', 'रंग दे बसंती', 'सरफरोश' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों का अंदाज और कहानी अलग-अलग है, क्योंकि हर फिल्म के पीछे अलग निर्देशक की सोच थी। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों की सफलता सिर्फ एक इंसान की नहीं होती, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा होती है। आमिर ने बताया कि उन्होंने 'तलाश', 'रंग दे बसंती' या 'तारे जमीन पर' की कहानी नहीं लिखी थी। उन्हें बस ये कहानियाँ पसंद आईं और वह उनका हिस्सा बनना चाहते थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। आने वाले समय में वह राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' की सीक्वल में दिखाई दे सकते हैं।



इश्क दम और इडली रसम खाना, परिवार और भावनाओं की खूबसूरत कहानी

अभिनेत्री सुरभि चंदना अपनी नई वेब सीरीज 'इश्क दम और इडली रसम' को लेकर उत्साहित हैं। खास बात है कि इस सीरीज को उन्होंने को-प्रोड्यूस भी किया है। अभिनेत्री ने अपकमिंग वेब सीरीज को परिवार, प्यार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली एक दिलकश कहानी बताया है। बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित यह शो दर्शकों को एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट की भावुक कहानी के माध्यम से खाने की खुशबू, यादों और रिश्तों की गहराई दिखाएगा। शो की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टिके रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस सीरीज के केंद्र में मीरा नायर हैं, जिनका किरदार शाइनी दोशी ने निभाया है। मीरा एक भावुक शेफ है, जो मानती है कि खाना सिर्फ खाना नहीं, बल्कि सेवा, सुकून और जिम्मेदारी है। अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभालते हुए वह रेस्टोरेंट को सिर्फ एक बिजनेस नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं और मूल्यों का हिस्सा मानती है। कहानी आगे बढ़ती है और अभिषेक कुमार के निभाए किरदार अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जो एक शेफ और इन्वेस्टर हैं। जब वह मीरा के रेस्टोरेंट में आता है, तो मीरा की दुनिया हिल जाती है। अर्जुन रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का वादा करते हैं, लेकिन साथ ही मीरा की उन सारी चीजों को बदलने का खतरा भी पैदा करते हैं जो उनके दिल के सबसे करीब हैं। सुरभि ने इसे अपने करियर का नया अध्याय बताया और कहा कि वह आगे बढ़ते रहना चाहती हैं। सुरभि चंदना ने शो के बारे में बात करते हुए बताया, 'इश्क दम और इडली रसम' बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें दिल, अपनापन और सादगी भरपूर है। शुरुआत से ही मुझे इस प्रोजेक्ट से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। कैमरे के पीछे क्रिएटिव जर्नी का हिस्सा बनना और कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ना मेरे लिए बेहद खूबसूरत अनुभव रहा है। यह शो प्यार, परिवार, भावनाओं और संस्कृति का ताजगी भरे अंदाज में जश्न मनाता है।' वहीं, अभिषेक कुमार ने अपने किरदार अर्जुन ठाकुर के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह कोई आम लव स्टोरी या टिपिकल शेफ ड्रामा नहीं है। यहां खाना लोगों की भावनाओं, नियंत्रण और अतीत को समझने का जरिया है। अर्जुन उन सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है जिन्हें मैंने निभाया है। यह किरदार गंभीर, नियंत्रित और भावनाओं को छुपाने वाला है। इस शो के जरिए मुझे एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने का मौका मिला है।' शो में शाइनी दोशी, अभिषेक कुमार के अलावा नेहा लक्ष्मी अय्यर, अमन सिंह, प्रेरणा सहगल, विजया लक्ष्मी गुप्ता और करण खन्ना भी अहम भूमिकाओं में हैं।



एक एक्टर के तौर पर आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है

'टॉक्सिक' पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी, फिर इसे जून के लिए शिफ्ट किया गया था। लेकिन अब इसकी कोई फाइनल रिलीज डेट अभी तक घोषित नहीं की गई है। इसपर अब तारा सुतारिया ने भी अपने विचार रखे हैं।



यश स्टारर इस पेन-इंडिया फिल्म को लेकर बताया गया था कि मिडल ईस्ट में चल रहे हालात की वजह से रिलीज प्लान में बदलाव करना पड़ा। बाद में यह भी साफ किया गया कि फिल्म पूरी तरह बनकर तैयार है, लेकिन टीम अभी इसकी ग्लोबल रिलीज और बड़े डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स को फाइनल करने में लगी हुई है, ताकि फिल्म को दुनिया भर में सही तरीके से रिलीज किया जा सके। इसी बीच फिल्म की एक्स्ट्रा तारा सुतारिया ने बातचीत में इस देरी पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस पूरी स्थिति को बहुत समझदारी से देखती हैं। तारा ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं बहुत पेशेंस रखती हूँ। मैं ये नहीं सोचती कि अगर फिल्म तुरंत रिलीज नहीं हुई तो क्या होगा। एक एक्टर के तौर पर

आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है।' उन्होंने आगे कहा कि कई बार बड़े फैसलों के पीछे सही वजहें होती हैं, जिन्हें प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स बेहतर समझते हैं। तारा ने यह भी कहा कि वह दर्शकों की एक्साइटमेंट को समझती हैं और खुद भी फिल्म का इंतजार कर रही हैं, लेकिन उनका मानना है कि यह इंतजार फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होगा और इसे ग्लोबली बेहतर रिसाॅन्स मिलेगा। अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे।

असली फेमिनिज्म वही, जहां पुरुष अपनी महिला को पहचान बनाने का पूरा मौका दे

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रुबिना दिलैक ने हाल ही में नारीवाद और रिश्तों में पुरुष व महिला ऊर्जा के संतुलन पर अपनी राय रखी। उनका कहना है कि असली नारीवाद (फेमिनिज्म) तभी संभव है, जब एक पुरुष अपनी साथी को अपनी पहचान बनाने और आगे बढ़ने का पूरा मौका दे।

खास बातचीत में रुबिना ने कहा, 'जब तक कोई पुरुष अपनी महिला की पहचान को खिलने का मौका नहीं देता, तब तक हम फेमिनिज्म के बारे में चाहे कितनी भी जोर से क्यों न बात कर लें, यह मुमकिन नहीं है।' उन्होंने इसे आध्यात्मिक नजरिए से भी समझाया। रुबिना ने कहा कि जैसे शक्ति और शिव की ऊर्जा मिलकर संतुलन बनाती है, वैसे ही रिश्तों में भी पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बराबर अहम होती हैं। जब शक्ति को अपनी ताकत दिखानी होती है, तब वह सामने आती है और जब शिव को अपनी पुरुष ऊर्जा दिखानी होती है, तब वह

नजर आती है। यही दोनों शक्तियों का खूबसूरत संतुलन है। रुबिना ने आगे बताया कि रिश्तों में समय के साथ कई बदलाव आते हैं। कभी एक साथी अपने सपनों को पूरा करने में लगा होता है, तो दूसरा उसका साथ देता है। उन्होंने अपने पति अभिनव शुक्ला का उदाहरण देते हुए कहा कि जिंदगी में कुछ समय ऐसा होगा जब अभिनव अपने काम और सपनों पर ध्यान देंगे और वह उनका साथ देंगी। वहीं कुछ समय ऐसा भी आएगा जब वह अपने सपनों को पूरा करेंगी और अभिनव उनका साथ करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब आप इस बात को समझते हैं, तो इससे परिवार के लिए एक मजबूत वैल्यू सिस्टम बनता है।' रुबिना जल्द ही टीवी के चर्चित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में नजर आने वाली हैं। शो की शूटिंग के लिए वह जल्द ही दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन रवाना होंगी। रुबिना ने यह भी बताया कि अपनी जुड़वां बेटियों से 40 दिनों तक दूर रहना उनके लिए एक मां के तौर पर काफी मुश्किल होने वाला है। उन्होंने कहा कि बच्चों से दूर रहकर उनके गले लगने और प्यार को मिस करना आसान नहीं होगा।



मैं नेपो किड नहीं हूँ

कभी बॉलिवुड सिलेब्स के साथ फोटो खिंचवाकर चर्चा में आए ओरहान अवानामणि उर्फ ओरी आज खुद एक सोशल मीडिया स्टार बन चुके हैं। वहीं, अब जल्द ही वह टीवी के मशहूर रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में खतरों से खेलते हुए भी दिखेंगे। ऐसे में, जब हमने ओरी से इस शो में भागीदारी की वजह जाननी चाही तो उनका जवाब चौंकाने वाला था। ओरी का कहना है कि बहुत समय से उन्हें खुशी, दुख, दर्द, भय कोई भी इमोशन महसूस नहीं होता, इसलिए उन्होंने इस शो को हां कहा ताकि वे शो के चुनौतीपूर्ण टास्क के दौरान वापस जिंदा महसूस कर सकें।

काफी समय से बहुत डिप्रेशन में हूँ

बकौल ओरी, 'मैं जिस तरह की जिंदगी जीता हूँ, उसमें मैं हर तरह से अहसास के प्रति डीसेंसिटाइज्ड यानी संवेदनहीन हो चुका हूँ। मैं चाहे नई गाड़ी ले लूँ, बैग ले लूँ, हॉलिडे पर चला जाऊँ, मुझे कोई भी चीज एक्साइट नहीं करती। मैंने खतरों के खिलाड़ी 15 के लिए इसलिए हां कहा, क्योंकि मैं जिंदगी को महसूस करना चाहता हूँ। मैं फिर जिंदा महसूस करना चाहता हूँ। मैं काफी समय से बहुत ही डिप्रेंड (अवसादग्रस्त) रहा हूँ। मुझे बहुत अजीब लगता है, जब मैं बाहर जाता हूँ और मेरे इतने सारे फैंस मुझे सिर्फ देखकर इतने उत्साहित होते हैं। मतलब मेरे जैसे खुद अवसाद में जी रहे इंसान के लिए यह विडंबना ही है। लेकिन सोशल मीडिया पर तो ओरी बहुत खुशामिजाज लगते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'आपको दुनिया के

सामने अपना बेरख साइड ही दिखाना पड़ता है। आप वहां ऐसी पिवचर्स नहीं पोस्ट कर सकते जिसमें खुश न हों पर मैंने बहुत समय से कुछ महसूस नहीं किया है।'

खुशी, दुख, उत्साह कुछ महसूस नहीं होता

क्या ओरी को जिंदगी में किसी चीज से डर लगता है? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'नहीं, वही तो मैं कह रहा हूँ कि मुझे याद नहीं आता कि आखिरी बार कब मैंने कोई भी फीलिंग महसूस किया था। खुशी, गुस्सा, दुख, उत्साह, कोई भी अहसास। कई बार मुझे खुद को याद दिलाना पड़ता है कि मुझे कुछ महसूस करना है। इसके लिए मुझे खुद पर बहुत जोर डालना पड़ता है।'

सांस भी लेता हूँ तो लोग जज करते हैं

ओरी को सोशल मीडिया पर पॉपुलैरिटी और ट्रोलिंग दोनों भरपूर मिली है। उन्हें काफी जज भी किया जाता है। वह कहते हैं, 'मुझे दोनों ही चीजों से फर्क नहीं पड़ता। मैं कोई नेपो किड नहीं हूँ। मैं फेमस पैदा नहीं हुआ हूँ। मैंने अपनी प्रसिद्धि कमाई है तो अगर मैं पहले इसके बिना रहा हूँ तो बाद में भी रह सकता हूँ। रही बात जजमेंट की तो लोगों ने मुझे हर वक्त जज किया है, इसलिए मैं उसके प्रति भी पूरी तरह डीसेंसिटाइज्ड हो चुका हूँ। मुझे फर्क ही नहीं पड़ता क्योंकि मैं कुछ भी करूँ लोग मुझे जज ही करते हैं। मैं घर से बाहर निकलता हूँ और जज होता हूँ।'

मेरा सारा के साथ कोई विवाद नहीं है

पिछले दिनों ओरी का उनकी खास दोस्त सारा अली खान के साथ विवाद भी सुर्खियों में रहा। इस बारे में ओरी बताते हैं, 'मेरा सारा के साथ कोई विवाद नहीं है। मेरा विवाद उसकी मां अमृता सिंह के साथ है, मगर मैं सारा के साथ दोस्त होने का दिखावा नहीं कर सकता, जबकि उसकी मां ने मेरे साथ इतना गलत किया। मैंने यही कहा है कि जो अमृता ने मेरे साथ किया, वो ठीक नहीं था और जब तक वो माफी नहीं मांगती, मैं सारा अली खान के साथ दोस्ती का दिखावा नहीं कर सकता। वरना सारा के साथ मेरी कोई बैर नहीं थी। उन्होंने अभी तक कोई माफी नहीं मांगी है। मैं अब भी इंतजार कर रहा हूँ।'



संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने सीरियाई राष्ट्रपति को फिर अपना परफ्यूम भेजा, कहा- पुराना वाला खत्म हो गया होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने खुलासा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपने ब्रांडेड 'विवट्रोड' कोलोन की नई बोतलें भेजी हैं। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछली बार दी गई खुशबू खत्म हो गई होगी। अल-शरा ने सोशल मीडिया पर दो कोलोन बोतलों की तस्वीर साझा की। इसके साथ ट्रम्प का एक संदेश भी था, जिसमें लिखा था, 'हमारी तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है, जब मैंने उन्हें यह शानदार कोलोन दिया था। अगर तुम्हारे पास खत्म हो गया हो तो ये रही नई बोतलें।' सीरियाई राष्ट्रपति ने पोस्ट में ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए लिखा कि कुछ मुलाकातें गहरी छाप छोड़ जाती हैं और वह उम्मीद करते हैं कि उस मुलाकात की भावना सीरिया और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी। पिछले साल नवंबर में दोनों नेताओं की मुलाकात का वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में ट्रम्प अल-शरा पर अपना ब्रांडेड कोलोन स्प्रे करते दिखाई दिए थे और बाद में उन्हें वह गिफ्ट कर दिया था। इसी दौरान ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में अल-शरा से पूछा था कि उनकी किन्ती पत्नियां हैं। अल-शरा ने हंसाते हुए जवाब दिया था कि उनकी सिर्फ एक पत्नी है। इसके बाद ट्रम्प ने मजाक में उनके कंधे पर थपकी दी थी।

जो मैं कहूंगा, वही करेंगे नेतन्याहू; ट्रंप का बड़ा दावा- दो साल बाद इजरायल में लड़ूंगा प्रधानमंत्री चुनाव, 99% मेरी रेटिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फिर एक ऐसा दावा किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय जगत में हलचल पैदा हो गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि इजरायल में उनकी लोकप्रियता 99 प्रतिशत है और मजाकिया अंदाज में कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा होने के बाद (2028 में) वह वहां प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें एक ताजा सर्वेक्षण में बेहद ऊंची रेटिंग मिली है। उन्होंने कहा, 'तो शायद यह काम पूरा करने के बाद, मैं इजरायल जाऊंगा और प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ूंगा। आज सुबह ही एक जनमत सर्वेक्षण आया है, जिसमें मेरी रेटिंग 99% है। जब पत्रकारों ने उनसे ईरान पर संभावित हमले के बारे में पूछा, तो ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की उम्मे 'कौड़ी नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमें होर्मुज समुद्री मार्ग को खोलना होगा, वह तुरंत खुल जाएगा, इसलिए हम इसे एक मौका देंगे। मुझे कोई जल्दी नहीं है। हर कोई कह रहा है, 'ओह, मध्यावधि चुनाव आ रहे हैं।' आदर्श रूप से, मैं चाहूंगा कि कम से कम लोग मारे जाएं, कि बहुत ज्यादा।' पत्रकार लगातार ट्रंप से पूछते रहे कि उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले के बारे में क्या कहा है? इस पर रिपब्लिकन नेता ने जवाब दिया, 'वह बहुत अच्छे इंसान हैं; वह वही करेंगे जो मैं उनसे करवाना चाहूंगा। और वह एक बेहतरीन व्यक्ति हैं... यह मत भूलिए कि वह युद्धकालीन प्रधानमंत्री रह चुके हैं।' उन्होंने यह दावा भी किया कि इजरायल में नेतन्याहू के साथ 'सही बातचीत नहीं किया जाता है। ट्रंप ने कल ही ईरान को एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'एक और बड़ा हमला' हो सकता है।

पाकिस्तान में मारे गए 14 आतंकी, भीषण गोलीबारी में मुमताज इम्टी की भी हुई मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच बुधवार को हुई झड़प में कम से कम 14 आतंकवादी मारे गए। इस खूनी झड़प में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य कुर्रम जिले के मनातो कामरान इलाके में स्वयंभू आतंकी कमांडरों काजिम और मुमताज इम्टी नीत समूहों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में मुमताज इम्टी भी मारा गया है। झड़प के बाद स्थानीय लोगों ने शवों को उसी इलाके में दफना दिया। मध्य कुर्रम में कई आतंकवादी गुटों की मौजूदगी की खबरों के बीच कई बार अभियान चलाए गए हैं। बता दें कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने मंगलवार को वेटो ध्वनी का दावा किया था। जहां उन्होंने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की थी। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, फील्ड मार्शल मुनीर ने अपने दौरे के दौरान वेटो स्थित कमांड एंड स्टॉफ कॉलेज में छात्र अधिकारियों और संकाय सदस्यों की भी संबोधित किया था। मुनीर ने बलूचिस्तान में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की और मौजूदा सुरक्षा माहौल के पहलुओं पर जोर दिया। मुनीर ने दोहराया कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल सभी तहफ के आतंकवाद के उन्मूलन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। मालूम हो कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत काफी अशांत है।

पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर अमेरिका ने दर्ज किया आपराधिक मामला, ट्रंप बोले- हम क्यूबा को आजाद करा रहे

मियामी, एजेंसी। अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने बुधवार को क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की घोषणा की। राउल कास्त्रो पर 1996 में मियामी स्थित निवासित समूह के नागरिक विमानों को मार गिराने के मामले में आपराधिक आरोपों की घोषणा की गई। यह मामला 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' नामक समूह द्वारा संचालित दो छोटे विमानों को गिराए जाने से जुड़ा है। उस समय राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। उन पर हत्या और विमान नष्ट करने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। कावर्भावक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लॉश और न्याय विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मियामी में आयोजित एक कार्यक्रम में इस मामले की घोषणा की। यह कार्यक्रम विमान हादसे में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित किया गया था।

मुकदमे पर क्या बोले ट्रंप : कास्त्रो पर अभियोजन के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति

बांग्लादेश ने तीस्ता और पद्मा बैराज प्रोजेक्ट का किया ऐलान, चीन से अरबों डॉलर की मांगी फंडिंग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपनी जल समस्याओं को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने बुधवार को साफ कर दिया कि उनकी सरकार देश में बहुप्रतीक्षित पद्मा और तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब रहमान जल्द ही चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। अब इस पूरे प्रोजेक्ट में चीन की बड़ी आर्थिक भूमिका होने की संभावना बन गई है।

गाजीपुर से किया बड़ा ऐलान : बुधवार दोपहर ढाका के पास गाजीपुर में 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान' की इमारत का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रहमान ने यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बीएनपी सरकार पद्मा बैराज और तीस्ता बैराज दोनों का काम शुरू करेगी। बीएनपी ने तीस्ता मुद्दे को लेकर कई कार्यक्रम चलाए हैं। इसलिए, अगर किसी ने इस दिशा में वास्तव में काम किया है और जमीन तैयार की है, तो वह बीएनपी ही है। सरकार पहले ही उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों (खासकर राजशाही में पद्मा नदी में) पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा दी है। चीन दौरे पर टिकी नजरे, अरबों डॉलर की डील संभव तीस्ता बैराज को लेकर की गई यह घोषणा बेहद रणनीतिक



मानी जा रही है। जून के अंत में प्रधानमंत्री रहमान चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी इस यात्रा के दौरान तीस्ता बैराज सहित कई अन्य अहम प्रोजेक्ट्स की फंडिंग को लेकर चीन के साथ विस्तार से बातचीत होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में अरबों डॉलर का निवेश शामिल होने का अनुमान है।

जल संकट और फक्का बैराज पर क्या बोले रहमान : देश के जल संकट का जिक्र करते हुए रहमान ने कहा कि सूखे के मौसम में बांग्लादेश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। उन्होंने सीमाओं के पार बन रहे बैराजों और पानी मोड़े जाने की तरफ इशारा किया। रहमान ने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज की वजह से उनके दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र (खासकर राजशाही में पद्मा नदी में) पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा रहे हैं और जानवर बिलुप्त होने की कगार पर हैं। ' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह बैराज बनाना ही होगा ताकि मानसून के

अंतरिक्ष पानी को जमा करके हम उसे सूखे के मौसम में अपने किसानों और आम लोगों को समय पर उपलब्ध करा सकें। भारत के साथ जल बंटवारा और अटका हुआ समझौता बांग्लादेश और भारत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से असहमति रही है। 1996 में दोनों देशों के बीच गंगा नदी के जल बंटवारे पर एक ऐतिहासिक संधि हुई थी, जिसकी मियाद इसी साल दिसंबर में खत्म हो रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते को रिन्यू करने के लिए दोनों पक्षों के बीच फिलहाल बातचीत चल रही है। वहीं, तीस्ता नदी के मोड़े जाने की तरफ इशारा किया। रहमान ने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज की वजह से उनके दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र (खासकर राजशाही में पद्मा नदी में) पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा रहे हैं और जानवर बिलुप्त होने की कगार पर हैं। ' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह बैराज बनाना ही होगा ताकि मानसून के

द्वारा तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट के निर्माण का ऐलान और इसके लिए चीन से फंडिंग मांगने की तैयारी ने नई दिल्ली में रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इसी महीने (मई 2026) बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डॉलर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। भारत के लिए यह सिर्फ एक जल प्रबंधन परियोजना नहीं है, बल्कि वह उसके पड़ोस में राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक प्रभाव से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। भारत पर इसके संभावित असर को इन चार मुख्य बिंदुओं में समझा जा सकता है: 'चिकन नेक' (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) की सुरक्षा पर सीधा खतरा भारत की सबसे बड़ी रणनीति सुरक्षा को लेकर है। तीस्ता नदी का क्षेत्र भारत के रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। यह 60 किलोमीटर लंबा और 20 किलोमीटर चौड़ा संकरा रास्ता भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता है। इस प्रोजेक्ट के बहाने नदी प्रबंधन, निर्माण और इंजीनियरिंग के नाम पर चीन की सरकारी कंपनियों (जैसे- पवन कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना) और चीनी इंजीनियरों की इस इलाके में मौजूदगी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा 'रेड फ्लैग' है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिए बड़ा झटका यह कदम जल कूटनीति में भारत के लिए एक कड़े संदेश की तरह है।

अमेरिका ने ईरान को कड़ा जवाब दिया है, कौन बनेगा अमेरिका का अगला राष्ट्रपति? जेडी वेंस और मार्को रुबियो में ट्रंप की पसंद कौन

जस्टरत पड़ी तो और सख्ती करेंगे :ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस कोस्ट गार्ड अकादमी के दीक्षांत समारोह में छात्रों की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की इमिग्रेशन और आर्थिक नीतियों का बचाव किया और ईरान को लेकर नई चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को कनेक्टिकट के न्यू लंदन में 2026 की ग्रेजुएटिंग क्लास को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस समय दुनिया का सबसे चर्चित और ताकतवर देश बन चुका है। उन्होंने केडेट्स से कहा कि वे ऐसे समय में सेवा में शामिल हो रहे हैं, जब अमेरिका फिर से मजबूत स्थिति में है। ट्रंप ने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे। बात बिल्कुल साफ है। उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होगा और वे समझौता करने के लिए बहुत बेचैन हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने उन्हें काफी कड़ा जवाब दिया है और जस्टरत पड़ी तो इससे भी ज्यादा सख्ती की जा सकती है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में कई

बार कोस्ट गार्ड के हाल के ऑपरेशनों का जिक्र किया और उन्हें ईरान, इरा तस्करी और समुद्री सुरक्षा के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई से जोड़ा। उन्होंने कहा कि कोस्ट गार्ड की टैक्टिकल टीमों ने ईरान से जुड़े प्रतिबंधित तेल जहाजों को पकड़ने में मदद की। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में कोस्ट गार्ड की अहम भूमिका रही, ताकि ईरानी शासन कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। ट्रंप ने समुद्री कार्रवाई और ड्रप्स के खिलाफ अभियानों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से कोस्ट गार्ड ने घातक नशील दवाओं की 20.6 करोड़ से ज्यादा खुराक जप्त की है। उन्होंने इसे समुद्र में बनी 'स्टील की दीवार' का अहम हिस्सा बताया। भाषण के दौरान ट्रंप ने राजनीति पर भी खुलकर बात की। उन्होंने पिछली सरकार की सीमा सुरक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका इतिहास की सबसे खराब सीमा स्थिति से निकलकर अब सबसे मजबूत बॉर्डर तक पहुंच गया है।

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उत्तराधिकारी और साल 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार को लेकर अंदरूनी राजनीतिक सरगमीं तेज हो गई है। वाइट हाउस का प्रेस ब्रीफिंग रूम इन दिनों इस आगामी मुकाबले के लिए एक अनौपचारिक ऑर्डिनर स्ट्रेज में तब्दील हो चुका है। दो हफ्ते पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पोडियम संभालने के बाद अब उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी मीडिया के सामने मोर्चा संभालते नजर आते हैं। वाइट हाउस की नियमित प्रेस सचिव कैरोलिन लेविंक के मेटरनिटी लीव पर होने के कारण दोनों बड़े नेताओं को बैक-टू-बैक प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी दी गई, जिससे विशेषज्ञ 2028 की दावेदारी के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। मंगलवार को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

ने लगभग एक घंटे तक पत्रकारों के तीखे और उलझाते सवालों का सामना किया। इस दौरान पत्रकारों के एक साथ चिल्लाने और सवाल पूछने की होड़ पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मार्को रुबियो बिल्कुल सही कह रहे थे, यह जगह वाकई किसी अराजकता से कम नहीं है।' वेंस ने पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था पर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया। हालांकि, नीतिगत सवालों के जवाब देते समय उनका लहजा काफी नया-तुला और संतप्त था। यह राष्ट्रपति ट्रंप की सीधी और आक्रामक शैली से अलग छाप छोड़

रहा था। प्रेस एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, न्यू कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडी वेंस ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों का पुरजोर समर्थन किया। वेंस ने ईरान के खिलाफ उठाए गए कदमों को सही ठहराते हुए प्रशासन के फैसले का बचाव किया। वहीं, राजनीतिक उल्टीड़न के शिकार होने का दावा करने वाले ट्रंप के सहयोगियों को मुआवजा देने के लिए बचाए गए नए 1.7 अरब डॉलर के फंड को उन्होंने जायज ठहराया। ब्रीफिंग के दौरान जब एक पत्रकार ने वेंस को संभावित भावी उम्मीदवार कहकर संबोधित किया, तो वेंस ने तुरंत स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं कोई संभावित भावी उम्मीदवार नहीं हूं। मैं अभी देश का उपराष्ट्रपति हूं। मुझे अपना काम बेहद पसंद है और मैं इस जिम्मेदारी को जितनी अच्छी तरह से हो सके इसे निभाने की कोशिश कर रहा हूं।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है।

क्या है यूएसएस निमित्ज स्ट्राइक ग्रुप में खास : अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रीवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और हस्टर एटकटैंड ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है।

1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौनौतिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी।

लोगों की जान जाए। हम इसे किसी दूसरे तरीके से भी कर सकते हैं, लेकिन मैं कम नुकसान देखना चाहूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में खराब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण लोगों के बीच गुस्सा बढ़ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ एक सीमित समझौते का मतलब लंबे समय के संघर्षविपक्ष से है, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना होगा। ट्रंप ने कहा कि हम इसे एक मौका देने जा रहे हैं। मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने मध्यवर्ती चुनावों के राजनीतिक दबाव को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि वे भारी तबाही के बजाय कम से कम जनहानि देखना चाहते हैं। उन्होंने ईरान की मौजूदा आंतरिक स्थिति पर कहा कि वहां की जनता बेहद खराब दौर से गुजर रही है और वहां सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश और अशांति का माहौल है। गौरतलब है कि अमेरिका और इराकूल ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था। जवाब में ईरान ने इराकूल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार मिसाइल हमले किए। ईरान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की जलनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक कर दिया, जिससे दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है।

वेंस या रुबियो, ट्रंप के मन में क्या है : भले ही जेडी वेंस और मार्को रुबियो दोनों ही 2028 की अपनी राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षाओं को सार्वजनिक रूप से तवज्जो नहीं दे रहे हैं, लेकिन खुद डोनाल्ड ट्रंप इस रेस को हवा देने में पीछे नहीं हैं। पिछले हफ्ते वाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक डिनर के दौरान ट्रंप ने मेहमानों का मूड भांपने के लिए पूछा, 'जेडी वेंस किस पसंद हैं?' और मार्को रुबियो किस पसंद हैं?' दोनों ही नामों पर मेहमानों ने लगभग बराबर उत्साह के साथ तालियां बजाईं। ट्रंप ने कहा कि अगर ये दोनों नेता एक साथ चुनवी मैदान में उतरें तो यह एक परफेक्ट टिकट होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी किसी एक को आधिकारिक समर्थन देना बहुत जल्दबाजी होगी।

ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर बढ़ाया दबाव : रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा-अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा 'यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल क्यूबा अमेरिकियों के लिए, बल्कि क्यूबा से आए उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ा क्षण था, जो क्यूबा वापस जाना चाहते हैं, क्यूबा में अपने परिवार से मिलना चाहते हैं।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कायुनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.